राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 30.00 संख्या 640
भूचाल
सुपर कमांडो ध्रुव

इस सृष्टि में हर वस्तु गतिशील है। विशालकाय सितारों से लेकर अणुओं तक हर चीज चलायमान है। क्योंकि ये गति ही जीवन है। पर एक ऐसी वस्तु है जिसकी गति जीवन नहीं, मौत देती है! जिसके चलने से बस्तियां उजड़ जाती हैं और महानगर साफ हो जाते हैं! ये वस्तु है भूमि यानि 'भू' और इसकी विनाशकारी गति को कहते हैं...
भूचाल
संजय गुप्ता की पेशकश
कथाः जॉली सिन्हा
चित्रः अनुपम सिन्हा
इंकिंगः विनोद कुमार
सुलेख एवं रंगः सुनील पाण्डेय
सम्पादकः मनीष गुप्ता
हां, यही है वह नास्तिक, जिसने मेरा विरोध किया, जिसके कारण तुमने मेरी चेतावनी पर ध्यान नहीं दिया!
और इस विनाश के शिकार हो गए!
लेकिन फिर भी मैं चाहता हूं कि तुम इसको माफ कर दो।
नहीं बापू! इसी के कारण हमारे जान माल का इतना अधिक नुकसान हुआ है! हमारी जिन्दगी भर की कमाई से बने मकान धूल में मिल गए! इस पर भरोसा करके हमने मकानों का बीमा तक नहीं कराया था।
अब हम इसको जिन्दा नहीं छोड़ेंगे!

धरती के मुकाबले में इंसानों का जीवन बहुत छोटा सा है-
कोई भी बड़ी प्राकृतिक आपदा एक इंसानी जीवन में एक बार ही आती है! और कईयों के जीवन में आती ही नहीं है-
इसीलिए अपनी जिन्दगी की भावी योजनाएं बनाते वक्त इंसान, प्राकृतिक आपदाओं का ध्यान रखता ही नहीं है-
हा हा हा! आप तो ऐसे सवाल पूछ रहे हैं जैसे कि आप सी. बी. आई में काम करते हों!
पूछना ही पड़ता है बिल्डर साहब! आखिर मैं इस फ्लैट को लेने के लिए अपनी जिन्दगी भर की कमाई लगा रहा हूं! और ऊपर से लोन भी ले रहा हूं!
वैसे आपकी ये बिल्डिंग भूकंपरोधी यानी 'अर्थक्वेक रेजिस्टेंट' है न?
अब आप पूछेंगी भाभीजी कि ये बिल्डिंग फायरप्रूफ है न? या बाढ़प्रूफ है न? अजी, आप ही सोचिए ऐसी मुसीबतें आती ही कहां हैं। ये तो दूसरे बिल्डरों के रेट बढ़ाने के चोंचले हैं! पर हम साफ और सस्ते सौदे में यकीन रखते हैं!
आपकी बात में दम है! मुझे आपका फ्लैट पसंद है! ये लीजिए चेक!
धन्यवाद सूद साहब! और नया घर लेने की बधाई भी!
खुश तो हो न, डार्लिंग!
बहुत खुश! लेकिन अगर फ्लैट भूकंपरोधी होता तो मैं और भी खुश होती!
अरे, छोड़ो न! चलो बापू स्वामी का आशीर्वाद लेकर आते हैं! वे आजकल राजनगर आए हुए हैं!
चलो! शायद उनके आशीर्वाद से ही मेरी चिन्ता दूर हो जाए!

बिल्डर के ऑफिस में-
हां, पार्टनर! तुमने जो कस्टमर भेजा था उससे सौदा हो गया है!
हां, हां! अरे हम तेरी तरह चोर थोड़े ही हैं! हा हा हा!
हां, हां! तेरा कमीशन तेरे बेनामी एकाउंट में शाम तक जमा हो जाएगा!
सुन! और ग्राहक कब भेज रहा है? अभी भी सैंतीस फ्लैट खाली हैं!
जब-जब पाप बढ़ता है तब-तब ईश्वर विनाश करते हैं! कभी स्वयं अवतार लेकर और कभी प्रकृति को यह काम सौंपकर!
ऐसा प्रभु ने गीता में भी कहा है! और पाप बढ़ रहा है! इस नगर में पाप का पेड़ और घना हो रहा है! उसे काटो, वर्ना विनाश दूर नहीं है! मैं आपके पास सिर्फ यही चेतावनी देने आया हूं!
अभी तुमको इस विनाश के और भी संकेत मिलेंगे! पाप से उपजे प्राणी धरती पर विचरण करेंगे!
निरपराधों का रक्त बहेगा! इसलिए संभलकर रहो! पाप तुमसे ही फैलता है! इसीलिए तुम ही पाप का अंत कर सकते हो!
स्वामी जी तो डरा रहे हैं! मैं आज से ही एक हफ्ते के लिए घूस लेना बंद कर दूंगा!
इतना भी मत डरो जी! अच्छा, तीन दिन तक मत लेना!
पाप को धीरे-धीरे कम करो!

बापू दंडवत!
सदाचारी भव! उठो, भक्त सूद! तुम अवश्य कोई शुभ सूचना लाए हो! कहो!
आपके आशीर्वाद से आज मैं एक मकान का मालिक बन गया हूं बापू!
अति उत्तम! सदाचारियों के साथ हमेशा अच्छा ही होता है, भक्त।
सब आपका आशीर्वाद है। अब तक आपके बताए रास्ते पर चलकर ही हमने तरक्की की है। आगे भी हमारा मार्ग दर्शन करते रहिएगा। बापू!
अवश्य! तुम जैसे सदाचारियों ने ही तो अपने पुण्यों से इस नगर को बचा रखा है! वर्ना ये तो कब का खंडहर बन गया होता!
जाओ, मेरा आशीर्वाद सदा तुम्हारे साथ है!
राजनगर को सदाचारियों ने ही पापियों से बचा रखा था-
लीजिए, पापा! आपका ये बंगला अब दस करोड़ का हो गया है! पिछले दो महीनों में प्रापर्टी के दाम पन्द्रह प्रतिशत बढ़ गए हैं! बधाई हो!
मुझको इस खबर से कोई खुशी नहीं हुई बेटे!
बल्कि मुझे तो इस तरह की मंहगाई बढ़ने से चिन्ता हो जाती है! ऐसे तो गरीब जनता अपना घर खरीदने की कभी सोच भी नहीं सकती है!
आप भी पापा! अरे! कभी-कभी ऐसे ही खुश हो लिया कीजिए!
खुश तो होते हैं!
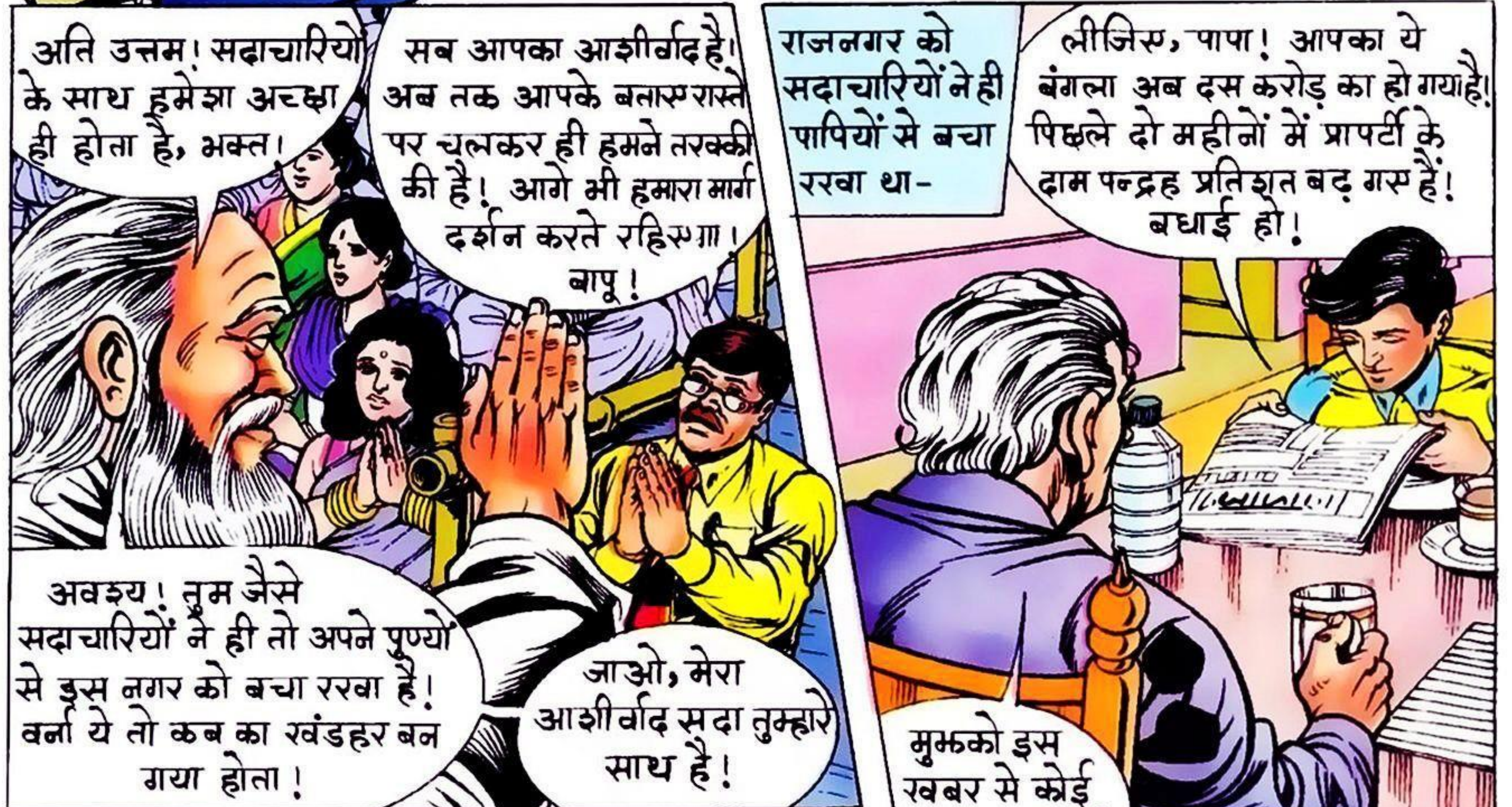
पर इनके खुश होते ही तू इनके सामने आ जाती है! फिर बेचारे दुःखी हो जाते हैं!

यानी... यानी कि मैं मनहूस हूं! रोती शक्ल है मेरी।

अब मैं तेरी बात कैसे काटूं?

तू कह रही है तो ऐसा ही होगा!

यूऽऽऽ

ये लो अपना नाश्ता...

...और खाओ!

हा हा हा! अब जाकर आईना देखो और बताओ कि मनहूस कौन लग रहा है!

तब तक मैं अपना नाश्ता फिनिश...

आक्!

किसने धक्का दिया मुझे? किसने... अरे! आप लोग भी गिर पड़े हैं!

पर कैसे?

ये जरूर भूकंप का झटका था!

अब ये भूकंप एकाएक कहां से आ गया?
भगवान ने तुझको बड़े भाई से लड़ने की सजा दी है!
अब तू जाकर अपनी शक्ल देख!
अरे, बहुत हो गई तुम दोनों की चुहल!
श्वेता, फटाफट कोई न्यूज चैनेल लगा!
पता नहीं इस झटके से राजनगर में कोई नुकसान हुआ है या नहीं!
हर न्यूज चैनेल पर एक ही ब्रेकिंग न्यूज थी-
अब से कुछ देर पहले राजनगर में मध्यम तीव्रता वाले भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं! जानमाल के नुकसान की अभी कोई खबर नहीं है। रिक्टर पैमाने पर ये भूकंप 5.3 की तीव्रता का था। अब इस बारे में हम भूगर्भ शास्त्री डॉक्टर अश्विन से कुछ और जानकारी लेते हैं!
वेलकम, डॉक्टर अश्विन! सबसे पहले तो हमारे दर्शकों को ये बताइए कि भूकंप आते क्यों हैं और फिर ये बताइए कि इनके आने की संभावनाएं कहां-कहां पर होती हैं!
फॉल्ट्स
सबसे पहले तो मैं आपके न्यूज चैनेल का धन्यवाद करता हूं!
और जहां तक भूकंपों की बात है तो ये धरती को बनाने वाली विशालकाय 'टेक्टोनिक प्लेट्स' के आपस में टकराने से आता है! ये प्लेटें पृथ्वी की वे मोटी चट्टानी सतहें होती हैं जो पृथ्वी के केन्द्र के लावे पर एक तरह से तैरती या हिलती रहती हैं। इन चट्टानी प्लेटों के लगातार टकराने से इन प्लेटों पर दरारें पड़ जाती हैं! इनको हम 'फॉल्ट' कहते हैं! भूकंप आने की सबसे ज्यादा संभावना इन 'फॉल्ट्स' के इलाके में ही होती है!
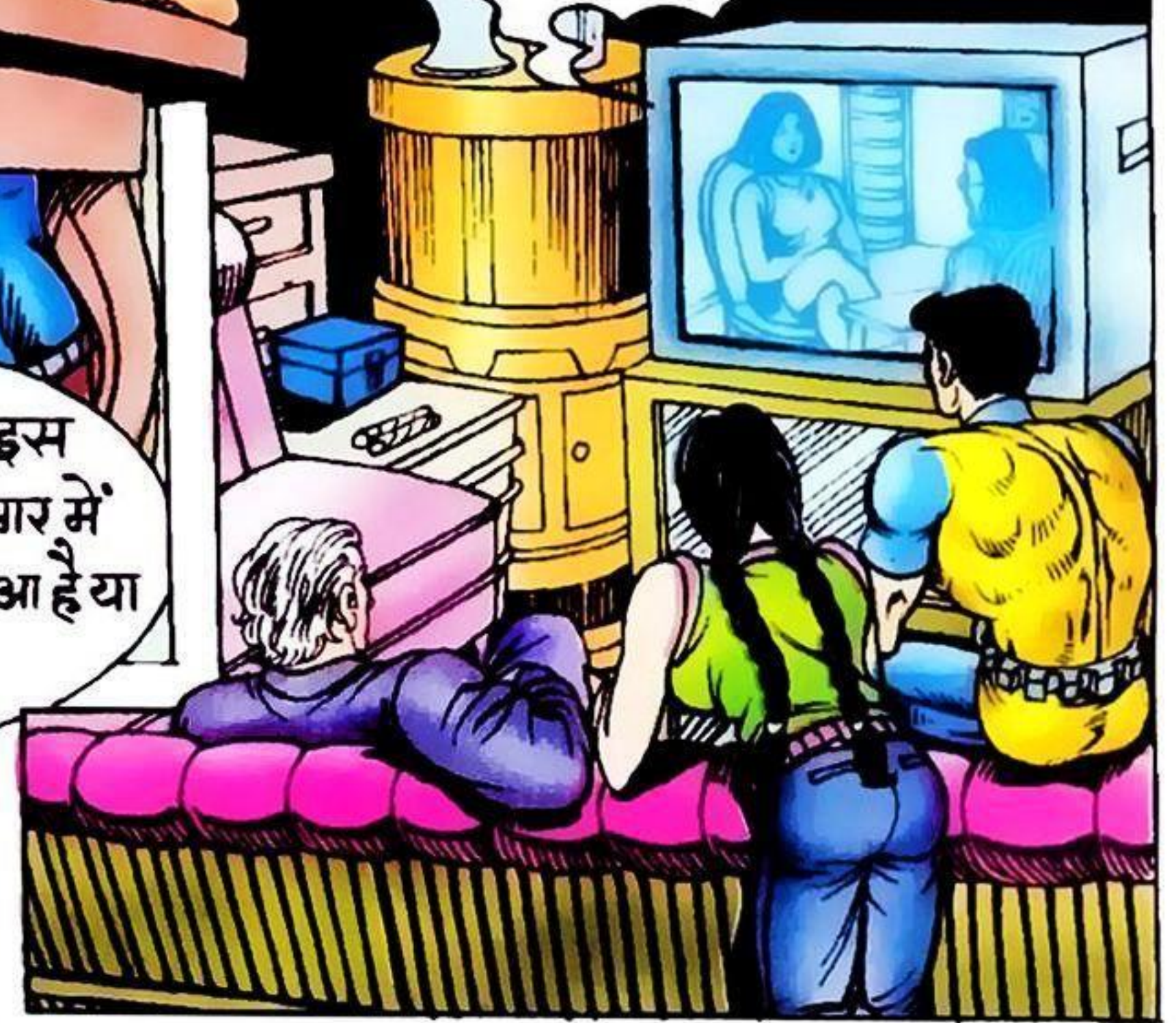
और राजनगर ऐसी ही एक फॉल्ट पर बसा हुआ है!
यानी इस शहर में कभी भी एक बड़ा भूकंप आ सकता है!
मैं अफवाहें फैलाना या जनता को डराना तो नहीं चाहता, लेकिन यह एक वैज्ञानिक सच्चाई है कि राजनगर में एक बड़ा भूचाल कभी भी आ सकता हैं!
अगर भूचाल आ गया पापा तो दस करोड़ का यह बंगला फिर से तीन करोड़ का हो जाएगा!
सही कहा! ऐसी स्थिति में लोग राजनगर को छोड़-छोड़कर भागेंगे लेकिन सिर्फ वही भाग पाएंगे जो... बचेंगे!
पता नहीं अगर ऐसा भूचाल आया तो कितने मरेंगे और कितने बचेंगे!
अगर भूचाल आने का कोई संकेत पहले ही मिल जाए तो हजारों जानें बचाई जा सकती हैं!
मिलेगा! बापू भी आज यही कह रहे थे!
मम्मी, तुम कहां से आ रही हो? और 'बापू' कौन है?
बापू? तुम बापू को नहीं जानती! मैं परम पूज्य महासंत बापू स्वामी जी की बात कर रही हूं! आज मैं उनका ही प्रवचन सुनने गई थी!
पहले तो कभी नहीं गई थीं!
अब जा रही हूं न! बड़ी शांति मिलती है बापू का प्रवचन सुनकर! तुम तीनों तो मारपीट के अलावा कोई बात ही नहीं करते!
अरे, ये तो बताओ कि बापू क्या कह रहे थे!
वे कह रहे थे कि प्राकृतिक आपदा आने से पहले धरती पर अजीब से प्राणी घूमेंगे!
शायद वे प्राणी जो सतह से बहुत नीचे रहते हैं, वे भूकंप का आभास पाकर सतह पर आ जाएंगे!

ये कैसा संकेत है? अरे संकेत के पीछे कुछ लॉजिक भी तो होनी चाहिए! जो मन में आया बोल दिया!
ए, लड़की! बापू के बारे में बोलो तो आदर से! समझी?
समझी, मम्मी!
सॉरी!
भूकंप से हुई तबाही का धीरे- धीरे पता चल रहा था-
भूकंप का केंद्र इसी स्थान के आसपास था! यहां पर इमारतें भी गिरी हैं! लेकिन ज्यादा लोगों के मरने की आशंका नहीं है!
ये तो अच्छी बात है! लेकिन अगली बार क्या होगा!

ऐसे भूकंप रोज-रोज थोड़े ही आते हैं ध्रुव!
ये भूकंप भी राज-नगर में बासठ सालों के बाद आया है!
उस भूकंप में इंसान तो काफी मरे थे लेकिन मरने वाले जानवरों की तादाद काफी कम थी! शायद जानवरों को भूकंप जैसी आपदा का आभास पहले ही हो जाता है! अगर उन पर नजर रखी जाए तो शायद ऐसी आपदा का पहले से आभास मिल सकता है!
इतनी फुर्सत किसके पास है! खैर मैं तो भगवान से यही प्रार्थना करूंगा कि ऐसा मौका ही न आए!

भूकंप ने राजनगर के तो एक छोटे से ही हिस्से को हिलाया था-
लेकिन इससे पूरे राजनगर के निवासी जरूर हिल गए थे-
अब राजनगर में रहना सेफ नहीं है! अपनी नहीं तो बच्चों का तो सोचना पड़ेगा न!
तुमको याद है न! बापू स्वामी ने भी किसी विनाश की चेतावनी दी थी!
अरे, उन्होंने ये भी तो कहा था कि उससे पहले कुछ संकेत भी मिलेंगे! जब ऐसे संकेत मिलेंगे तब सोचेंगे!
संकेत मिलने ही वाले थे-
ऐ जी! सामने देखो!
अरे, अभी तो सड़क खाली थी! फिर ये औरत कहां से आई? और वह भी बच्चा लेकर!
मैं समय पर ब्रेक नहीं लगा पाऊंगा!
अरे बचो ऽऽऽ
चीईईईईईईईईई
तु... तुमने देखा! कार उस औरत के आर-पार हो गई!
लेकिन उसको कुछ भी नहीं हुआ! राम राम राम! वह इशारा कर रही है! हमें बुला रही है!
तु... तुम बिलकुल मत जाना जी!
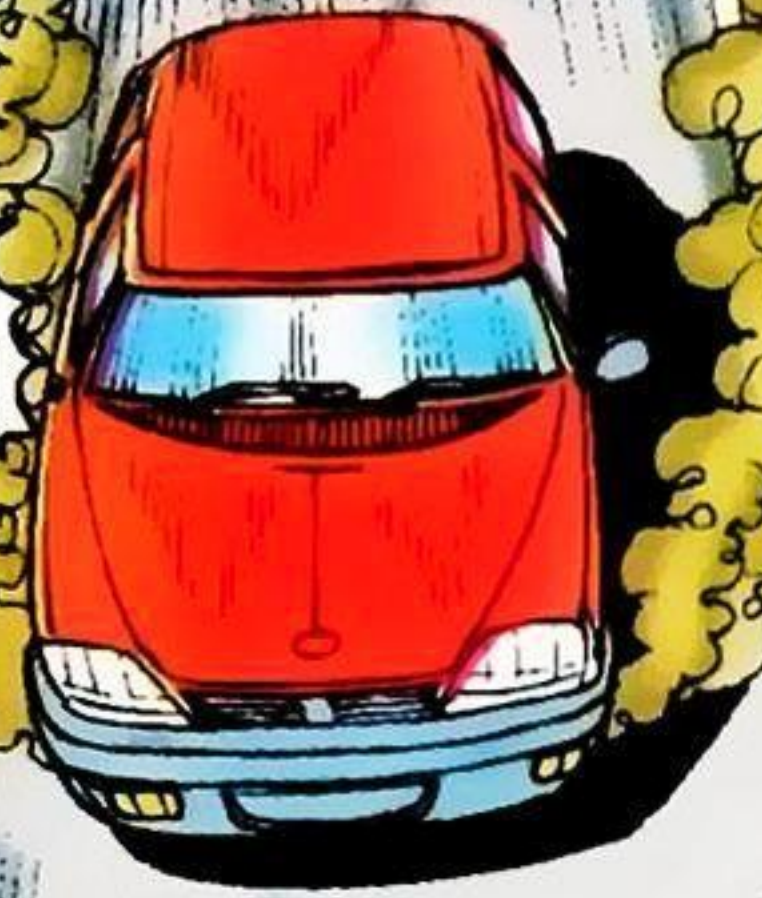
वह तो कब्रिस्तान की तरफ जा रही है! कहीं ये...

...हां! ये वही है! आत्मा है! वह कब्र में घुस रही है!

दूर से भी कब्र पर लिखे मोटे-मोटे अक्षर साफ नजर आ रहे थे-
कैथरीना और
26 मार्च 1973 को
बिछुड़ गए।
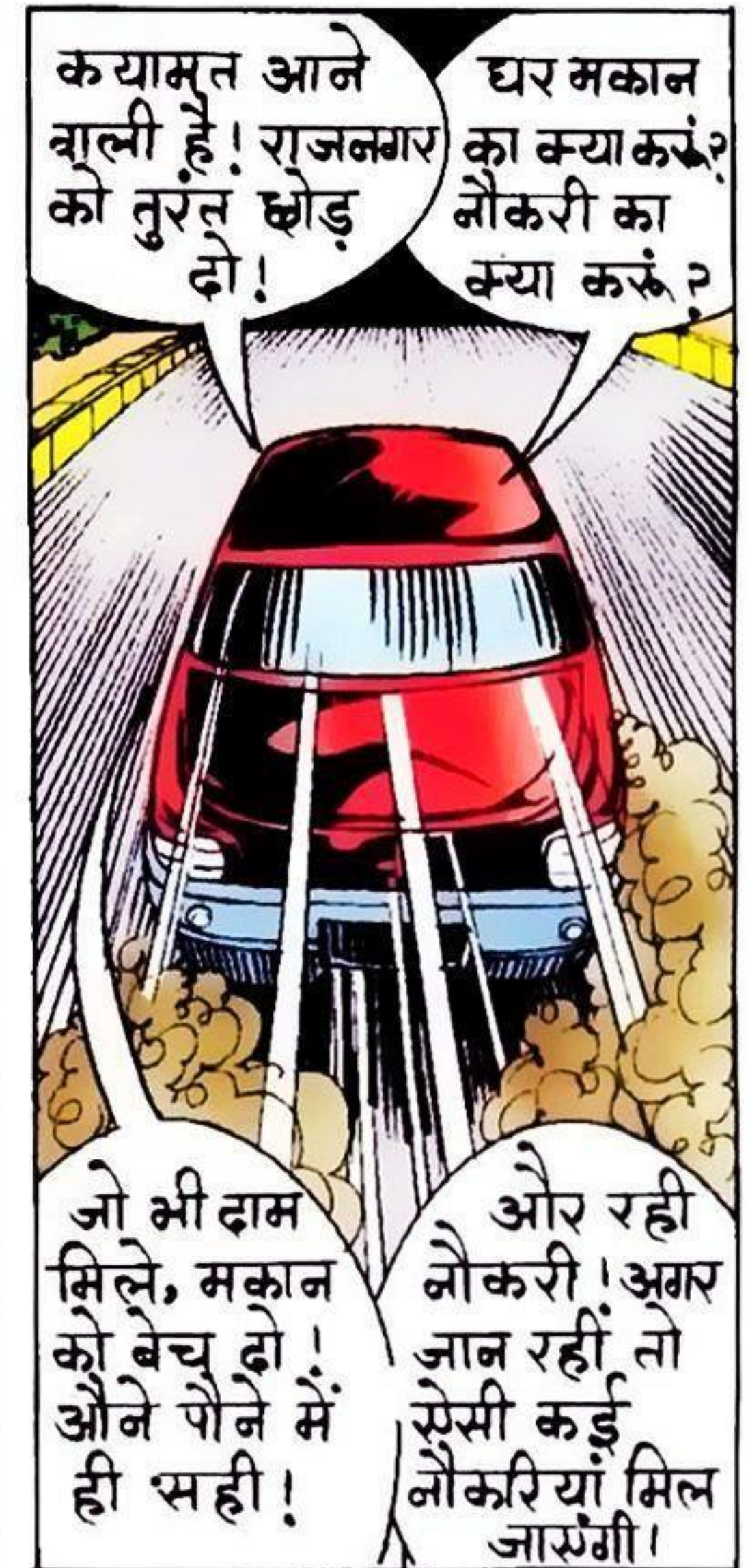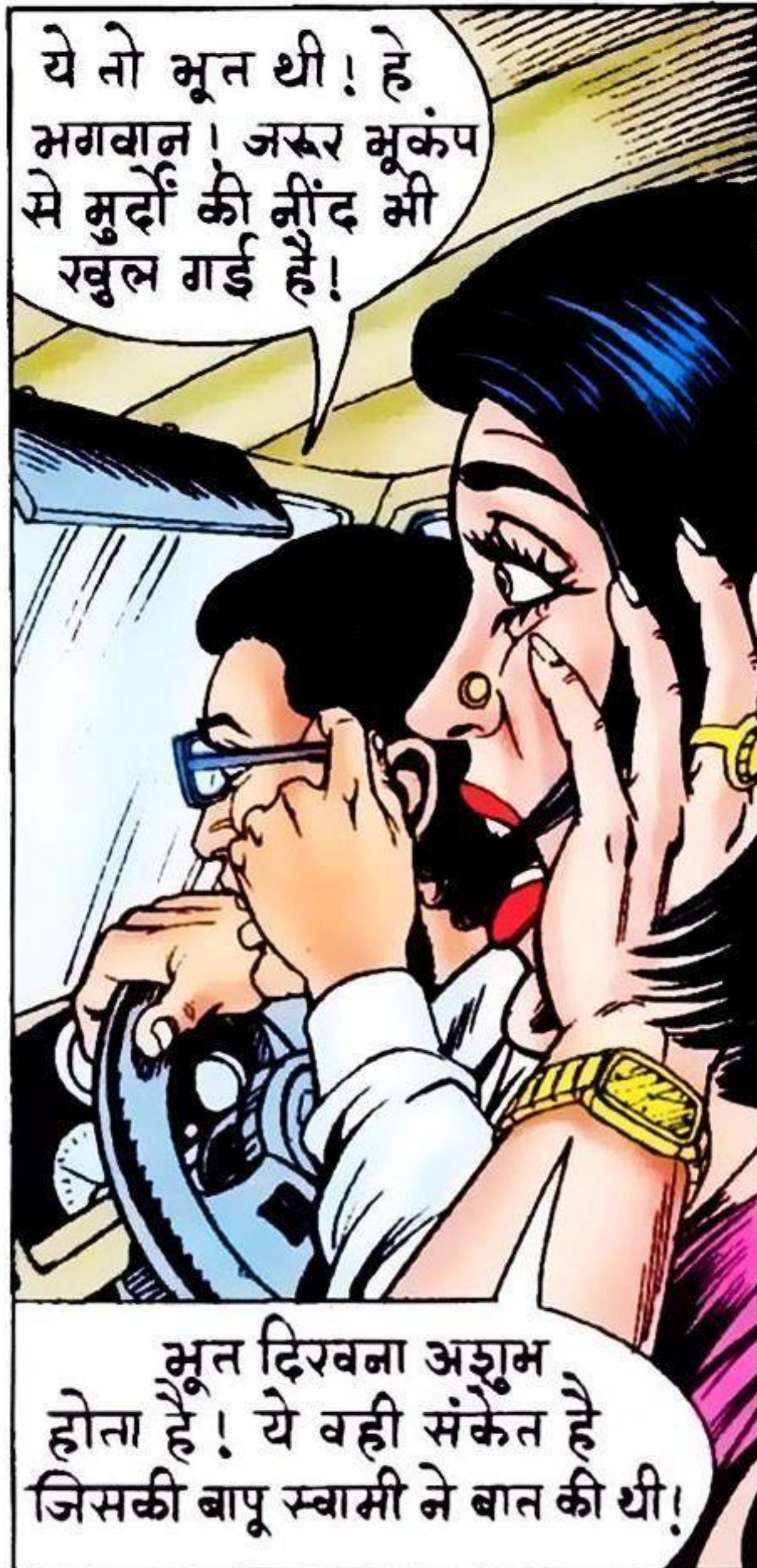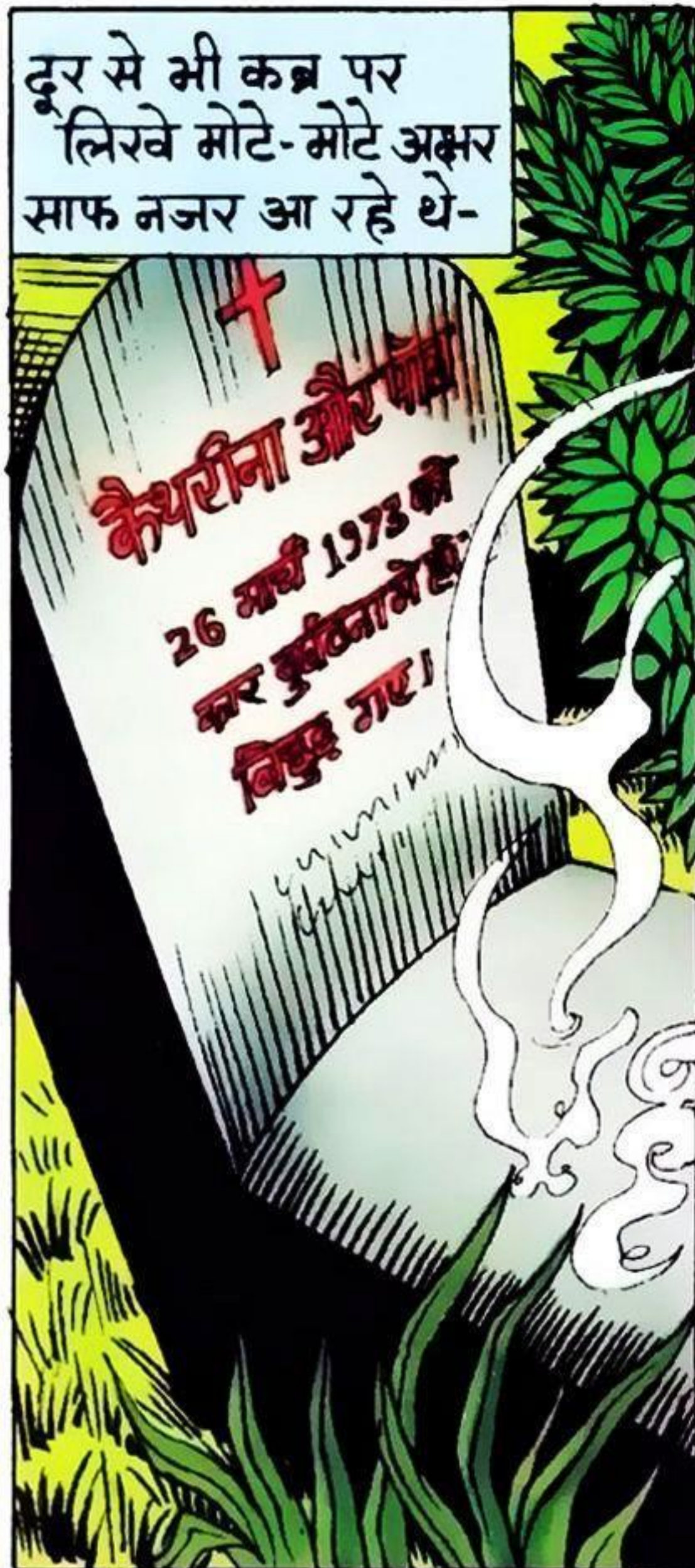
ये तो भूत थी! हे भगवान! जरूर भूकंप से मुर्दों की नींद भी खुल गई है!
भूत दिखना अशुभ होता है! ये वही संकेत है जिसकी बापू स्वामी ने बात की थी!

कयामत आने वाली है! राजनगर को तुरंत छोड़ दो!
घर मकान का क्या करूं? नौकरी का क्या करूं?
जो भी दाम मिले, मकान को बेच दो! औने पौने में ही सही!
और रही नौकरी! अगर जान रही तो ऐसी कई नौकरियां मिल जाएंगी!

संचार क्रांति के इस युग में खबरें 'जंगल की आग' से भी तेज गति से फैलती हैं-
अब आज की ब्रेकिंग न्यूज! राजनगर में आए भूकंप से लगभग सत्तर करोड़ रुपयों की क्षति हुई है! इस हादसे से डरे हुए कई लोगों ने राजनगर छोड़ने का फैसला कर लिया है! प्रॉपर्टी के भाव एकाएक काफी नीचे गिर गए हैं! लेकिन उन दामों पर भी प्रॉपर्टी खरीदने वाले नहीं मिल रहे हैं!
लेकिन इसके विपरीत राजनगर में अफवाहों का बाजार काफी गर्म है! राजनगर के कई हिस्सों से अजीबो गरीब प्राणियों की खबरें हमें लगातार मिल रही हैं! कुछ लोगों ने इनको 'भूत' बताया है और इनको आने वाले विनाश का संकेत भी बताया है!... अब हम लेते हैं एक छोटा सा ब्रेक! ब्रेक के बाद हैं...
देखा! बापू स्वामी इन संकेतों की ही बात कर रहे थे! राजनगर तबाह होने वाला है! ध्रुव, श्वेता चलो, तुम दोनों अपना सामान पैक करो!
पापा छुट्टी की एप्लीकेशन देकर आते ही होंगे!
पापा और छुट्टी? वह भी ऐसे वक्त पर? ओ कम ऑन मम्मी!
यह खतरा टलने तक हम दिल्ली में रहेंगे! तुम्हारी नानी के घर!
बहस मत करो! मैं अपने बच्चों पर राजनगर वालों के पाप का साया नहीं पड़ने दूंगी!
पैकिंग करो!
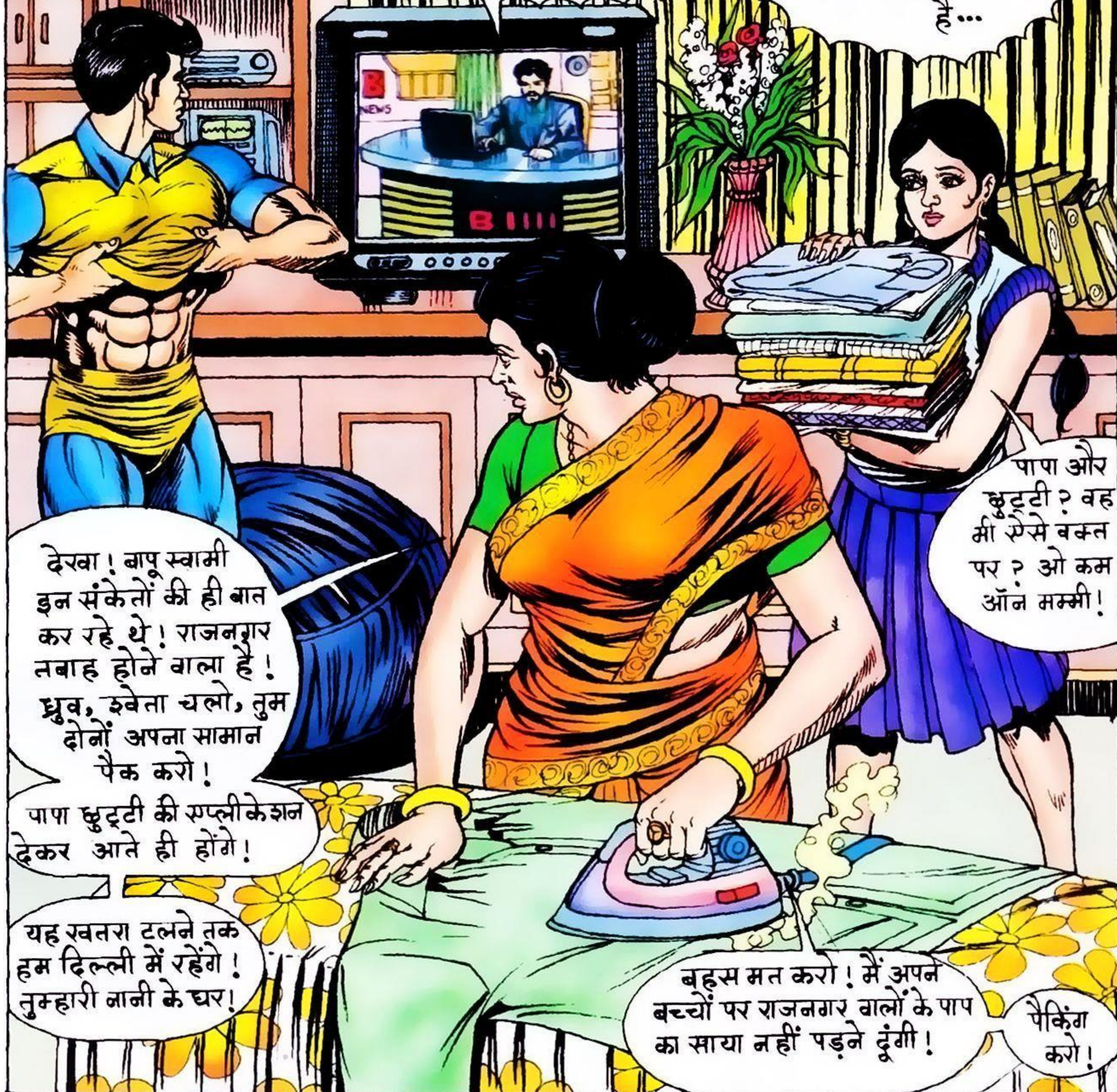
ओफ्! ये लड़का मुझे बेवकूफ बना गया! आने दो उसे! फिर मैं उसे बताती हूं!

जरूर बताना! वह हंस देगा, और तुम्हारा गुस्सा उड़न छू हो जाएगा! सर पर चढ़ा रखा है तुमने उसे!

आखिर है तो मेरा बेटा न!

चल, खाना खाएगी?

यस, यस, यस!

राजनगर को ट्रैक पर लाने की कोशिशें जारी थीं-

जनता से अपील की जाती है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें! राजनगर एकदम सुरक्षित है!

POLICE
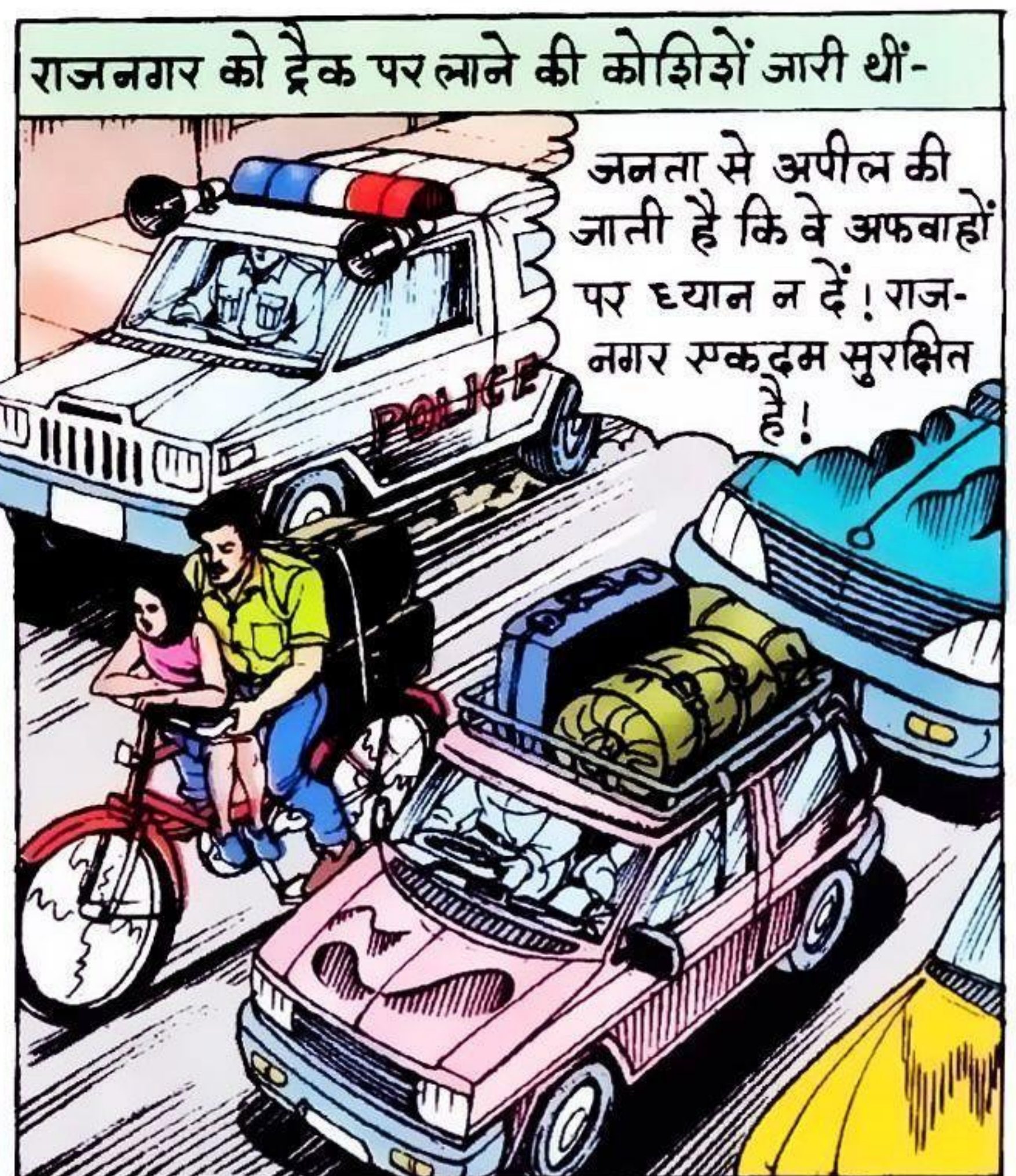
लोग राजनगर को छोड़कर भाग रहे हैं! एक भूकंप का एक हल्का सा झटका ऐसा असर नहीं डाल सकता! इस भय का कारण कुछ और ही है!
और वह कारण अजीबोगरीब प्राणियों के दिखने की अफवाहें फैलना हो सकता है! लेकिन अगर ये अफवाहें रही हैं तो ऐसे प्राणियों के दिखने का कारण भला क्या हो सकता है?
ये सारी चीजें भूकंप के बाद ही शुरू हुई हैं! हो सकता है कि इन सबका जवाब मुझको उस जगह पर मिले, जहां पर भूकंप से सबसे ज्यादा तबाही हुई है!
यहां पर! जहां जमीन बीच से फट गई है!
भौं भौं!
क्या बताना चाहते हो दोस्त? समझा! यहां पर कुछ अजीब सा हो रहा है!
तब तो मुझे खुद ही इसके अंदर जाकर देखना पड़ेगा कि वह 'अजीब' सा क्या हो रहा है?

ओह! ये दरार तो जमीन के नीचे जाकर राजनगर के अंडरग्राऊंड 'स्टॉर्म ड्रेन' से मिल रही है! लेकिन यहां पर अजीब क्या हो सकता है! इन अंधेरी सीलन भरी सीवर लाइनों में तो सिर्फ एक ही चीज आती है! पानी! और वह भी तब जब तेज बारिशें होती हैं और शहर में भरे पानी को इन ड्रेनों के जरिए समुद्र तक पहुंचाना होता है!

भौं भौं गुर्रर्र...

श श श! चुप! मैं समझ गया! उधर से आती मंद रोशनी मुझको भी नजर आ रही है!

थैंक्यू दोस्त! अब मुझको इन सब घटनाओं का कारण पता चल जाएगा!

हा हा हा! हमारा प्लान पूरी तरह से कामयाब रहा! शहर में दहशत फैल गई है! लोग घरों को छोड़-छोड़कर भाग रहे हैं!

MOTOR ROOM

आप जीनियस हैं बॉस! पुलिस सिर पटकती रह जाएगी, लेकिन इस अड्डे को ढूंढ नहीं पाएगी!

अब हमारा अड्डा पूरा राजनगर होगा! क्योंकि कुछ ही दिनों बाद पूरे शहर पर सिर्फ हमारा कब्जा होगा! सिर्फ हमारा! हा हा हा!

MOTOR ROOM

ऐसा कभी नहीं होगा, कमीनों...

... क्योंकि ध्रुव ने तुम्हारे अड्डे को ढूंढ निकाला है! अरे! ये तो... ये तो...
अब क्या हुक्म है, बॉस ?
... ये तो टी.वी.पर चल रही एक फिल्म है! कमरे में और भी सामान भरा हुआ है!
इन्वर्टर से बिजली आ रही है। मैं तो समझ रहा था कि मैं षड्यंत्रकारियों तक पहुंच गया हूं!
लेकिन 'स्टार्म ड्रेन' में ये सामान लाया कौन ? और ये सामान आया कहां से है! ऐसा लगता है कि ये सामान अलग- अलग जगहों से इकट्ठा किया गया है। या शायद चुराया और लूटा गया है!
सही समझे!
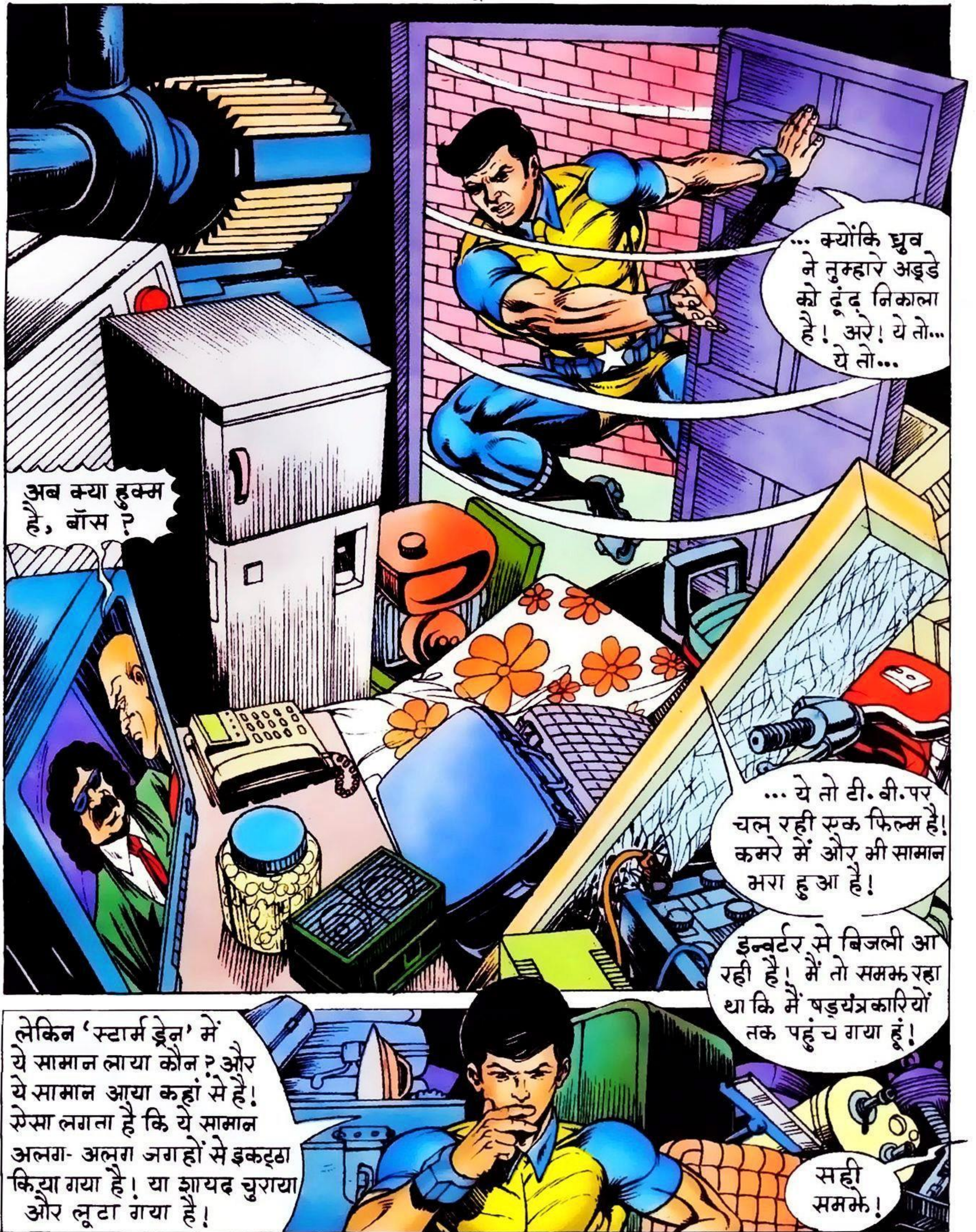
कौन हो तुम लोग?
हमको पहचानकर तू क्या करेगा, कानून के चमचे?
तूने तब तो हमको पहचाना नहीं, जब हम अपने- अपने गांव से रोजी कमाने इस शहर में आए थे!
तूने हमको तब भी नहीं पहचाना जब मजदूरी करने के बाद मालिकों ने हमको पैसे नहीं दिए! और शिकायत करने पर पुलिस ने हमको दी सिर्फ डंडो की मार!
उनके आतंक से बचने के लिए हम जमीन के नीचे इन सुरंगों में रहने पर मजबूर हो गए!
और तब भी नहीं पहचाना जब हम ट्रैफिक सिग्नलों पर भीख मांगने के लिए मजबूर हो गए!
आज जब इतने सालों के दुःख के बाद ये भूचाल आया तो हमको अमीरों के घरों से ये सामान लूटने का मौका मिला! जिन्दगी में जब पहली बार हमने खुशी का मुंह देखा है!...
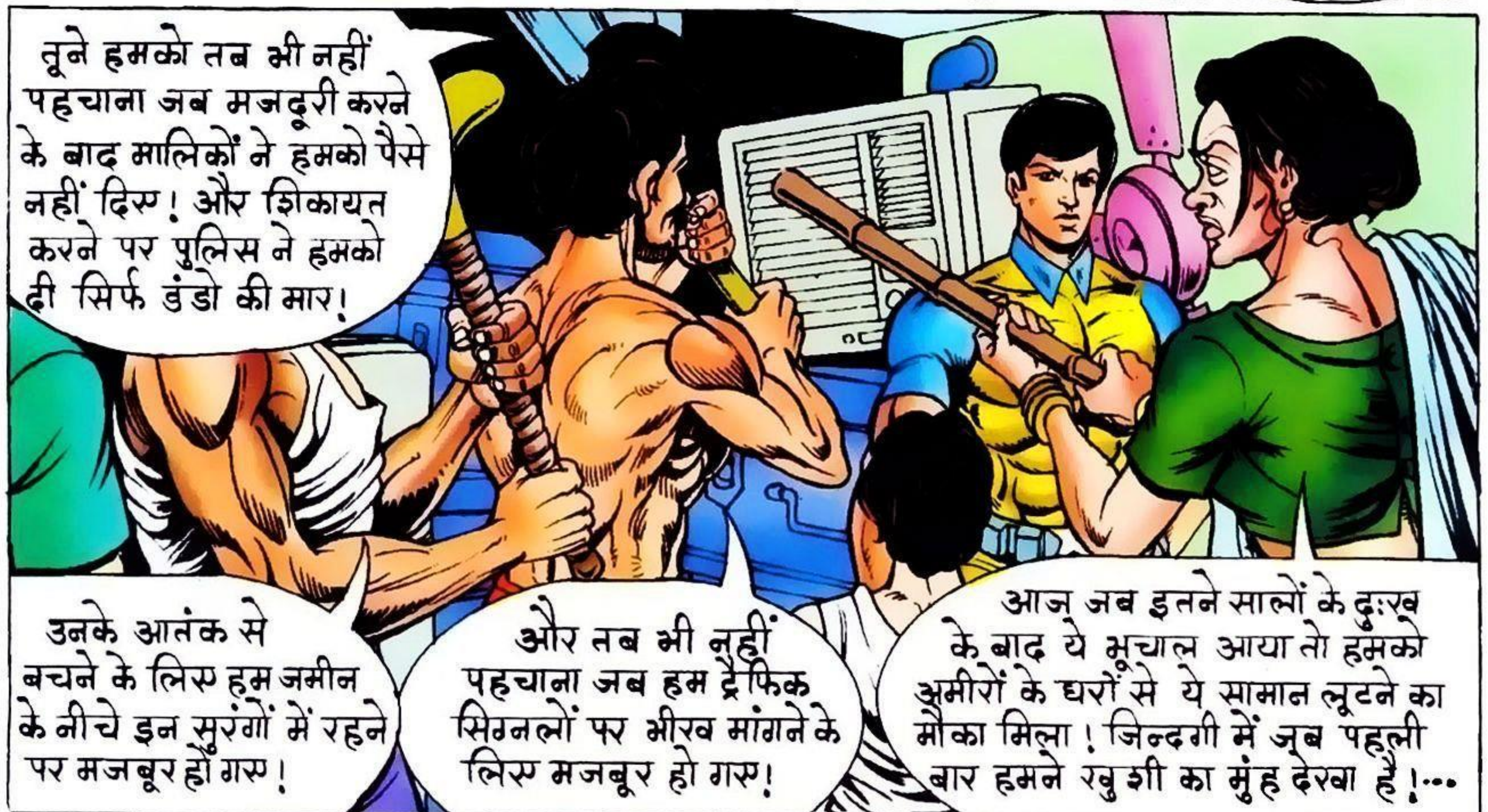
कहानी 19 पेज से जारी

... तब तू हमको पहचानने आ गया!
अब हम तेरा वो हाल करेंगे कि कोई दूसरा तुझे पहचान नहीं पाएगा!
तुम लोगों के साथ बुरा तो जरूर हुआ है ...
... लेकिन इससे तुमको गलत काम करने का हक नहीं मिल जाता!
तुमको ये सारी चीजें जरूर मिलेंगी! लेकिन इस तरह से नहीं! तुमको मैं काम दूंगा! और काम के पूरे दाम भी दूंगा!
न तो हमारा पेट बातों से भरता है और न ही झूठे वादों से!
कल किसने देखा है? आज जो माल मिला है उसको कल के भरोसे छोड़ दें? कभी नहीं!
अब तुम लोगों को यही बात दूसरी तरह से समझानी पड़ेगी!
आऊऽऽऽ
ये संख्या में बहुत ज्यादा हैं। और इनमें औरतें और बच्चे भी शामिल हैं!
मैं इन सब पर हाथ नहीं उठा सकता! कोई और तरीका ढूंढ़ना पड़ेगा!

बापू... बापू! वो फिर से आ गए!
हैं! पहली बार तो हम समझे कि हमारा वहम है! पर अब तो पक्का हो गया है!
तो अब का करें?
करना क्या है...
भागो!
भूत पिशाच निकट नहीं आवें, महावीर जब नाम सुनावें!
अरे! अरे!
इन्होंने एकाएक ऐसा क्या देख लिया कि ये सभी डरकर भाग खड़े हुए?
भौं... भौं...
उधर कुछ है! हवा में तैरता हुआ!
ध्रुव उस मोड़ की तरफ भागा-
लेकिन-
अरे! यहां पर तो कुछ भी नहीं है!
और आने जाने का कोई रास्ता भी नहीं है! फिर भिखारियों ने क्या देख लिया था?
कहीं वे अजीब आकृतियां सचमुच यहीं से तो नहीं आ रही हैं जिनकी वजह से राजनगर में भय फैला हुआ है!
मुझे इसकी पूरी जांच-पड़ताल करनी होगी!

लेकिन जांच पड़ताल करने का मौका ध्रुव को मिल नहीं पाया-
ओह! ये तो भूचाल का एक और झटका है!
गड़ड़ड़ड़
चलो, दोस्त!
हमको भी यहां से बाहर निकलना पड़ेगा!
ओफ्! बाल-बाल बचे! वर्ना यहीं पर हमारी कब्र बन जाती!
इस रास्ते के साथ-
साथ हमारा जांच पड़ताल करने का रास्ता भी बंद हो गया है! अब इन रहस्यमय घटनाओं की तह तक कैसे पहुंचा जा सकता है?
एक रास्ता और है! एक शख्स है जो कहीं न कहीं इन सारी घटनाओं से जुड़ा हुआ है! और वे हैं...

" बापू स्वामी- "
बापू! कृपा करो! बापू! रक्षा करो!
क्या हुआ मेरे प्रिय भक्तो? आप सब इतने विचलित क्यों हैं?
हम बर्बाद हो गए, बापू! हमारी सारी जमा पूंजी चली गई!
शांत हो जाओ, भक्तो! शांत हो जाओ! मुझे अपनी पीड़ा विस्तार से बताओ!
भूचाल ने हमको बर्बाद कर दिया! सारी जिन्दगी की कमाई से हमने जो मकान खरीदे थे वे भूकंप से ढह गए!
और बचा हुआ सामान चोर चुरा ले गए!
हम कल तक धनी हुआ करते थे, बापू! पर आज हमारे बच्चे दाने-दाने को मोहताज हैं!
मैंने तो परसों ही फ्लैट खरीदा था, बापू! अभी तो मैं उसमें रहने भी नहीं जा पाया था! मैं तो कहीं का नहीं रहा!
पाप होगा तो उसका दंड तो मिलेगा ही, भक्तों! मैंने तो आप सबको पहले ही सचेत किया था!
अब आप मुझसे क्या चाहते हैं?
हमको बर्बादी से बचा लीजिए बापू! हमारी जमा-पूंजी हमको वापस मिल जाए तो हम जी जाएंगे!
इसका तो सीधा सा हल है भक्तो! अपने-अपने मकानों को बेच दो! धन वापस आ जाएगा!

और ये हैं मेरे वह भक्त!
इस शहर के जाने माने बिल्डर और प्रापर्टी डीलर! श्रीमान बी.एम.
आदेश करें, बापू!
इस बार आदेश नहीं, प्रार्थना है, भक्त! हमारे भक्तों की मदद करो!

इनके भवनों और भूखंडों को खरीद लो!
ये... ये क्या कह रहे हैं बापू? इनको आबाद करने के चक्कर में मैं बर्बाद हो जाऊंगा!
बर्बादी सत्कर्मों से नहीं, दुष्कर्मों से आती है भक्त! तुम्हारे सत्कर्म तुमको और तुम्हारे नगर को उन्नति देंगे!
पर... पर... बापू, मैं इतने भूखंडों... मतलब प्रॉपर्टी का करूंगा क्या?

मेरा काम तो प्रॉपर्टी को खरीद कर बेचना है! ऐसे माहौल में मैं प्रॉपर्टी को बेचूंगा किसे?
मुझको बहुत घाटा हो जाएगा बापू! कृपया ऐसा आदेश न करें!
किसी की सहायता करने में घाटा फायदा नहीं देखा जाता, भक्त! तुम इनकी मदद करो! मैं अपने और भक्तों से भी प्रार्थना करूंगा कि इस काम में वे तुम्हारी मदद करें!
आपके आदेश पर तो मैं अपनी जान भी दे सकता हूं, बापू! ठीक है! मैं इस बार इनकी मदद करूंगा! परंतु बार-बार नहीं कर पाऊंगा!
अभी जो अपनी प्रॉपर्टी मुझको आज के भाव पर देगा वह मैं ले लूंगा! पर आज के बाद ऐसा नहीं कर पाऊंगा!

उचित है! जो भी भक्त इस अवसर का लाभ उठाना चाहें, उठा लें!

अजी, बेच दो मकान! अभी तो कुछ मिल भी रहा है! दूसरा भूचाल आया तो ये भी हाथ से जाएगा!

जिन्दगी में पहली बार ठीक कह रही है तू! अभी के अभी सौदा नक्की कर देता हूं!

बापू, हम भी मकान बेचने को तैयार हैं! अभी के अभ्भी!

अबे, लाइन से आ! पहले हमारा मकान खरीदा जाएगा!

मैंने तो पेपर भी मंगा लिए हैं!

मैं भी हामी भर दूं क्या? या पहले ध्रुव के पापा को फोन करके सलाह कर लूं!

ठहरिए! ये गलती मत कीजिए!

अपनी जमा पूंजी को ऐसे मत उड़ाइए! कौड़ियों के भाव में अपने मकान मत बेचिए!

भूगर्भ शास्त्रियों का कहना है कि भूकंप की भविष्यवाणी नहीं की जा सकती है!

यानी... यानी तू बापू की भविष्यवाणी पर शक कर रहा है, ध्रुव?

एक मिनट, बहन जी! मुझे लगता है कि ध्रुव सही कह रहा है!
हां! थोड़ी देर के लिए तो मैं भी भ्रमित हो गया था! पर किसी अंजाने खतरे से डरकर कम से कम मैं तो अपने मकान को सस्ते में नहीं बेचूंगा!
ध्रुव ने हमेशा हमारी मदद की है! हमको उस पर भरोसा करना चाहिए!
बाबा की बात न मानकर एक लड़के की बात पर भरोसा कर रहे हो! बर्बाद हो जाओगे तुम सब!
शांत हो जाओ! शांत हो जाओ भक्तो! आप अपनी इच्छा के अनुसार ही कार्य करें!
आपके नगर को पापशक्तियों से बचाने के लिए ध्रुव ने कई बार सत्कर्म किया है! आपका नगर इसका ऋणी है! वैसे मेरी भी ईश्वर से यही प्रार्थना है कि वह मेरी सोच को गलत सिद्ध करे और ध्रुव की सोच को सही!
ॐ
अब हम विश्राम के लिए जाएंगे! राधे श्याम, भक्तों!
और फिर-
तूने मेरी नाक कटा दी ध्रुव! तूने सबके सामने बापू स्वामी की बात काटी! उनका अपमान किया!
सॉरी, मम्मी!
माफी मांगने जैसी कोई बात नहीं है ध्रुव! तुमने सिर्फ अपने विचार जनता के सामने रखे हैं!
और बापू ने भी तो ध्रुव की बात को सही ही माना है, मम्मी! फिर इसमें उनका अपमान कैसे हुआ?
ये तो तब पता चलेगा जब दूसरा भूकंप आएगा!
और वह भी बहुत जल्दी!

ध्रुव के लिए आज की रात फैसले की रात थी-
मुझको दो बातें समझ में नहीं आ रही हैं। एक तो राजनगर में अजीबोगरीब आकृतियों के दिखने के पीछे क्या वजह है?
और दूसरी ये कि बापू स्वामी जैसे सिद्ध पुरुष भी आखिर भूचाल की भविष्यवाणी कैसे कर सकते हैं?
मम्मी की नजरों में सही साबित होने के लिए मुझको इन सवालों के जवाब ढूंढ़ने ही होंगे!
मेरी तर्क शक्ति कहती है कि इन दोनों ही बातों का भूचाल से कुछ न कुछ संबंध जरूर है!
और इन सवालों के जवाब जमीन के नीचे हैं! मुझको एक बार फिर उसी जगह पर जाना होगा, जहां पर मैंने खुद वह अजीबो-गरीब आकृति देखी थी! 'स्टॉर्म ड्रेन' में! इस बार मैं दूसरी तरफ से वहां पर पहुंचने की कोशिश करूंगा!
उम्मीद है कि इस बार मेरे हाथ कुछ न कुछ जरूर लगेगा!
रुक जाओ मानव!
तुम निषिद्ध क्षेत्र में प्रवेश कर रहे हो!

अब इस क्षेत्र पर 'शोधकों' की सत्ता है!
'शोधक' कौन? और राजनगर महापालिका द्वारा बनाए गए इस स्टार्म ड्रेन पर उनका कब्जा कैसे हो गया?
और तुम कौन हो?
मैं स्वयं एक 'शोधक' हूं! हमारा काम ब्रह्मांड में कहीं पर भी पनप रहे पाप क्षेत्र का शोधन करके शुद्धिकरण करना है! पहले हम ऐसे क्षेत्रों को सीमाबद्ध करते हैं और फिर पापी प्राणियों को नष्ट करके उस क्षेत्र का शुद्धिकरण करते हैं!
और ऐसे क्षेत्र में मानवों का आना निषिद्ध होता है। उनकी स्वयं की सुरक्षा के लिए!
और तुमको कैसे पता चला कि यहां पर एक पाप क्षेत्र है! और हां, तुमको यह 'क्षेत्र' साफ करने का ठेका किसने दिया?

'ठेका'? यह शब्द मैं नहीं जानता! पर हां, यह काम हमको देवताओं द्वारा सौंपा जाता है!
और इस पूरे नगर में जो आकृतियां दिख रही हैं वे इसी पाप क्षेत्र से प्रकट हो रही हैं! पाप के बोझ से धरती में एक गहरी दरार पड़ गई है। उससे एक भूचाल आया, और भूचाल से एक नए आयाम का द्वार खुल गया है! ये पाप छायाएं उसी आयाम से आ रही हैं!
अगर ये दरार जल्दी ही भरी न गई तो भूचाल बार-बार आएगा! और हर बार का भूचाल और तीव्र एवं विनाशकारी होगा।
तुम्हारी इस पूरी बकवास का मुझको एक भी शब्द समझ में नहीं आया!
कुछ समझ में आया है तो सिर्फ इतना कि यहां पर कुछ अजीबो-गरीब घटना घट रही है।
और उसका कारण तुम भी हो सकते हो! मेरे रास्ते से हट जाओ और मुझको खुद ही छानबीन करने दो!
हम इस आयाम के द्वार बंद कर देंगे और पहले से ही पृथ्वी पर प्रवेश कर चुकी पाप छायाओं को नष्ट कर देंगे!
अब जाओ! तुमने पहले ही मेरा काफी समय नष्ट कर दिया है! मुझको बहुत काम करना है!
क्षमा करना! मैं तुमको ऐसा करने नहीं दे सकता! तुमको इस निषिद्ध क्षेत्र से जाना ही होगा!
आऽऽऽह!
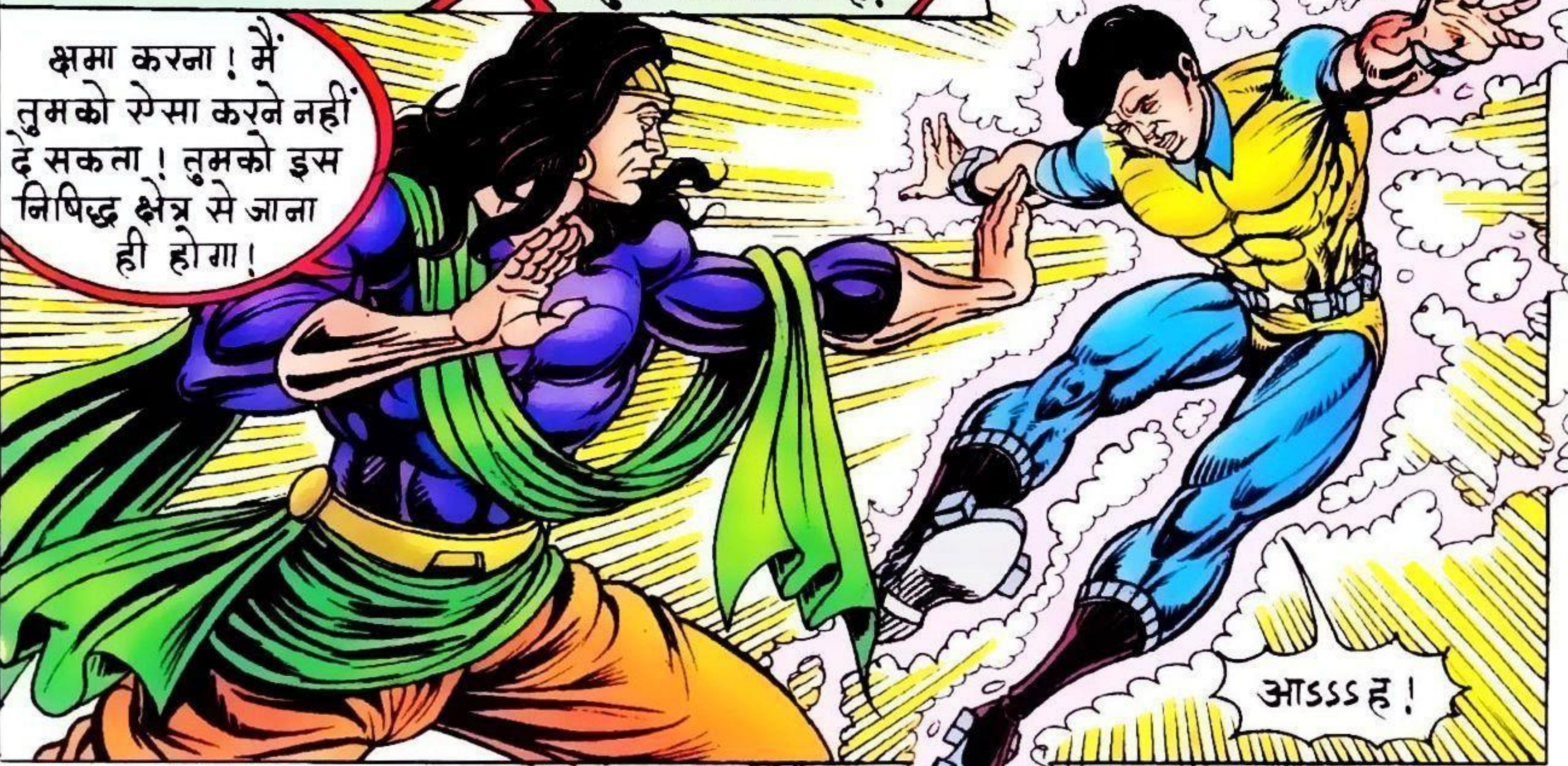
इसके हाथ का स्पर्श होते ही मेरे रोम-रोम में करंट सा दौड़ गया है!
जबकि इसके पास तो कोई बैटरी या कोई तार नजर ही नहीं आ रहा है! क्या... ये सच कह रहा है कि ये कोई देवदूत है!
मृत्यु देना मेरा काम तो नहीं है मानव!
परंतु तुम्हारे हठ ने मेरे समक्ष...
...कोई और रास्ता छोड़ा ही नहीं है!
मृत्यु को प्राप्त हो मानव!
इस त्रिशूल से पहले तो इसकी भाषा ही मुझको मार डालेगी!
अब ये त्रिशूल मेरे काम आएगा!

लेकिन-
अरे!
इसको मेरे अलावा और कोई स्पर्श भी नहीं कर सकता है!
फिर तो सीधी और आर-पार की लड़ाई होगी!
आगे तो मैं जाऊंगा ही, चाहे तुमको पार करके जाना पड़े!
तो जाओ!
?
अगर जा पाओ तो!
अरे! अभी तो ये मेरे पीछे था! एकाएक सामने कैसे आ गया?

तुमको वापस जाने का एक अवसर प्रदान किया गया था, मानव! परंतु तुमने उसका लाभ नहीं उठाया।
अब बचने का कोई अवसर नहीं है!
कौन?
बापू स्वामी!
यहां पर!
बापू ने जुबान से तो कोई जवाब नहीं दिया-

बल्कि वे 'शोधक' की तरफ बढ़ चले! और-
धन्यवाद बापू!...
आऽऽऽह!
शोधक कभी समाप्त नहीं होते, मानव!
ये तो फिर से आ गया!
बापू, आपने शोधक को खत्म कर दिया!
लेकिन बापू ने इस दूसरे रूप को भी नष्ट कर दिया! वाह, बापू!
अब जरा मुझको यह भी समझाइए कि यह सारा चक्कर है क्या?
ओह! अभी भी शोधक पूरी तरह से समाप्त नहीं हुए हैं! एक और शोधक नजर आ रहा है!
यह डर भी रहा है! लेकिन बापू इसकी तरफ नहीं बढ़ रहे हैं! बल्कि वे मुझे इसकी तरफ बढ़ने का इशारा कर रहे हैं!
मुझे इससे निपटने का आदेश दे रहे हैं! और मैं इस आदेश का पालन करूंगा!
क्योंकि बापू ने ऐसा आदेश सोच समझकर ही दिया होगा!

वाह! अब इसके स्पर्श से मुझे झटका नहीं लग रहा है! और मेरे वारों का इस पर असर भी हो रहा है!
इसकी शक्तियां एकाएक खत्म हो गई हैं! ये जरूर बापू का ही कमाल है!
शक्तिहीन होने के बाद 'शोधक' के सामने एक ही रास्ता बचा था-
भागने का रास्ता-
लेकिन ध्रुव से पीछा छुड़ाना आसान नहीं था-
ये स्टॉर्म ड्रेन से बाहर निकल रहा है!
ये उस उजाड़ इमारत में जा रहा है! अब इस इमारत में कोई भी नहीं है, क्योंकि पहले आए भूचाल ने इस इमारत को जर्जर और खतरनाक बना दिया है!
यहां पर शोधक भला क्यों आया है?
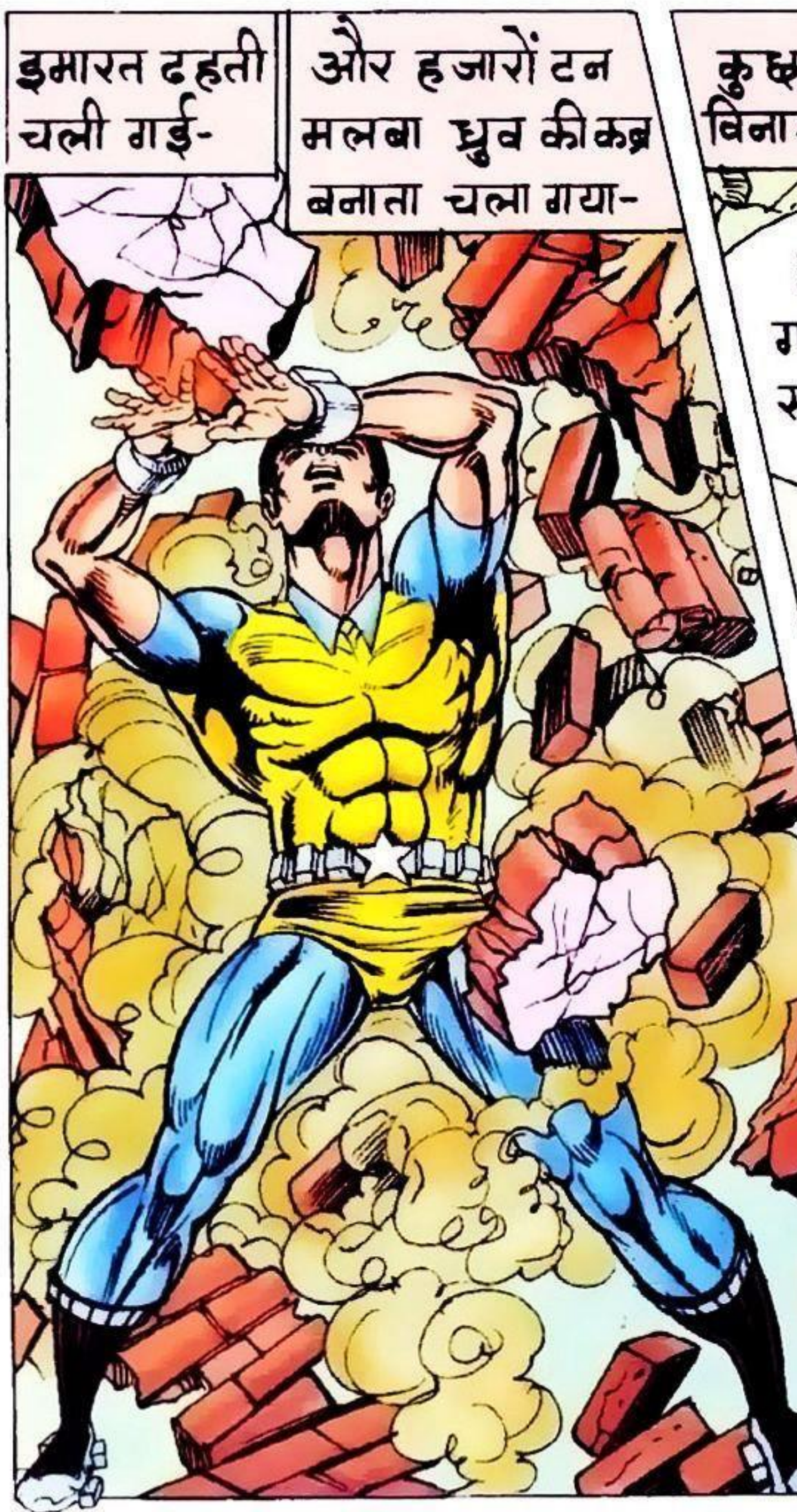
अरे! कहां गायब हो गया शोधक?
तभी जमीन तेजी से थरथरा उठी-
भूचाल! ये तो काफी तीव्र भूचाल है!
इमारत ढहती चली गई-
और हजारों टन मलबा ध्रुव की कब्र बनाता चला गया-
कुछ ही सेकंडों के लिए आया विनाश का यह तांडव जब थमा-
तो कई इंसानों को जिन्दा ही मलबों के अनगिनत ढेर में दफन कर चुका था-
हम बर्बाद हो गए बापू! हमारा सबकुछ चला गया!
यह सब तुम्हारे अपने ही कर्मों का फल है! सत्कर्म करते तो ये स्थिति कभी नहीं आती!
हमने ध्रुव पर भरोसा किया! उसी के कारण हम बर्बाद हुए हैं! हम उसे जिन्दा नहीं छोड़ेंगे!
बस, इस बार हमें बचा लीजिए बापू! हमारी जमीनों की कुछ भी कीमत दिला दीजिए! रक्षा कीजिए हमारी!

तुम्हारा कष्ट मेरा कष्ट है भक्तों! मैं तुम्हारी जो भी सहायता कर सकता हूं अवश्य करूंगा। मैं अपने बिल्डर भक्तों से बात करूंगा। वे तुम्हारी सहायता अवश्य करेंगे।
बापू स्वामी ने जो वादा किया, वह निभाया भी-
कौड़ियों के भाव हो चुकी अपनी-अपनी प्रॉपर्टी को बेचने के लिए बापू के भक्तों की बिल्डरों के ऑफिसों के बाहर लंबी-लंबी कतारें लगी थीं-
M. BUILDER
और बापू के इस निर्णय से खुशी की लहर दौड़ गई थी-
लेकिन ये उनके दिलों में नहीं थी, जिन्होंने अपने घरों को बेचा था-
चियर्स!
बल्कि उनके दिलों में थी-

जिन्होंने इन असंख्य प्रॉपर्टीज को कौड़ियों के भाव पर खरीदा था-
तुमने कमाल कर दिया बापू! तुम्हारा प्लान एकदम सटीक बैठा! हालांकि ध्रुव ने काम को बिगाड़ने की कोशिश तो की थी, लेकिन उसका खुद ही काम तमाम हो गया!
तुमने पब्लिक के अंदर भूचाल-भूचाल कहके जो दहशत फैला दी थी, उससे डरकर लोग हमारे हाथों खरबों की संपत्ति लाखों में सौंप गए! अब जैसे ही स्थिति सामान्य होगी वैसे ही प्रॉपर्टी के भाव फिर से चढ़ जाएंगे और तब हम इन प्रॉपर्टीज को फिर से ऊंचे भावों पर बेचेंगे!
पर अब तो ये रहस्य खोल दो बापू कि ये भूकंप तुम लाए कैसे?
आज तक तुमने बार-बार पूछने पर भी ये रहस्य हमको नहीं बताया!
ये रहस्य तो तुमको वही बताएगा जो भूकंप लाया है!
फिलहाल तो उस आदमी से मिलो, जिसने हमारे रास्ते के सबसे बड़े कांटे को दूर कर दिया!
सुपर कमांडो ध्रुव को खत्म कर दिया!
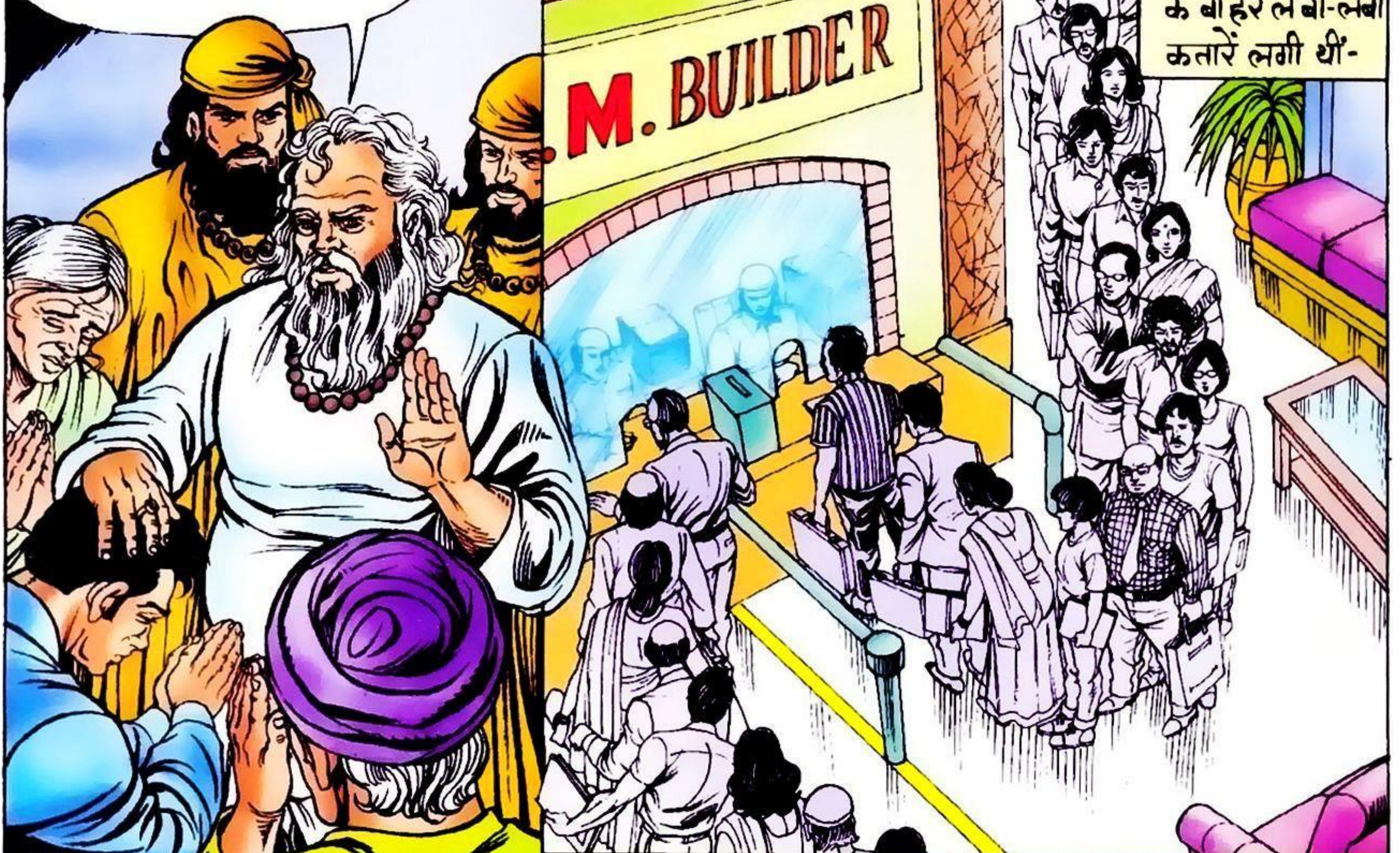
मिलिए राजा भाई उर्फ 'शोधक' से।
वेलकम!
आओ मेरे योद्धा!
जो काम बड़े-बड़े विलेन नहीं कर पाए उसको तूने कर दिखाया राजा!
जरा विस्तार से तो बता कि ध्रुव को तूने आखिर खत्म कैसे किया?
अपने पास मौजूद थ्रीडी लेसर इमेज प्रोजेक्टर की मदद से! वह प्रोजेक्टर ऐसी लेज़र आकृतियां पैदा करता है जो देखने में एकदम वास्तविक लगती हैं और उनको छुओ तो करंट मारकर जान भी ले लेती हैं!
राजनगर में दिखने वाली वे सभी अजीबोगरीब आकृतियां इसी प्रोजेक्टर से पैदा की गई थीं जिनको लोग भूत समझ रहे थे!
उसी प्रोजेक्टर की मदद से मैंने अपनी थ्री डी लेज़र प्रोजेक्शन तैयार की और ध्रुव के दिल में यह विश्वास पैदा कर दिया कि मैं वाकई कोई दैवीय शक्ति हूं!
वह बेबस हो चुका था! मैं उसको अपने लेजर त्रिशूल की मदद से करेंट देकर मार डालता...
... अगर तुम बीच में आकर मेरी प्रोजेक्टर इमेजों को नष्ट न कर देते बापू!
मैं... मैं... मैंने कब तुम्हारी इमेजों को नष्ट किया!
मैं तो इमेज के बारे में कुछ जानता ही नहीं!

एकदम सफेद झूठ बोल रहे हो तुम बापू! एक तरफ तुम ध्रुव को मारने की बात कहते हो और दूसरी तरफ उसे बचाते हो! तुम हम लोगों को डबलक्रॉस क्यों करना चाहते हो?
म... मैं किसी को डबलक्रॉस क्यों करूंगा? अपने ही हाथों से अपनी ही योजना का सत्यानाश भला मैं क्यों करूंगा? मैं पिछले तीन घंटे से इन लोगों के साथ हूं! न तो मैं कहीं गया, और न ही कुछ किया। अरे, मैं तो पेशाब तक नहीं करने गया!
बापू ठीक कह रहे हैं! ये तो लगातार हमारे साथ ही हैं!
लेकिन फिर वह कौन था जिसने आकर मेरी 'लेजर-इमेज' को नष्ट किया? मेरी आंखें इतना धोखा नहीं खा सकती! वह हू-बहू तुम्हारी शक्ल का ही था!
मेरे अंदर इतनी शक्ति नहीं है कि लेजर इमेजों को नष्ट कर सकूं!
मुझे तो लगता है कि तुम झूठ बोल रहे हो!
इसका फैसला तो एक ही तरीके से हो सकता है! तुमको मेरे साथ 'स्टॉर्म ड्रेन' के उसी स्थान तक चलना होगा बापू!
और उस शख्स को मेरे साथ मिलकर ढूंढ़ना होगा जो हू-बहू तुम्हारे जैसा है!
जब तक मैं तुम दोनों को एक साथ न देख लूं, तब तक मेरा शक दूर नहीं होगा।
ठीक है! मैं तैयार हूं!
चलो!
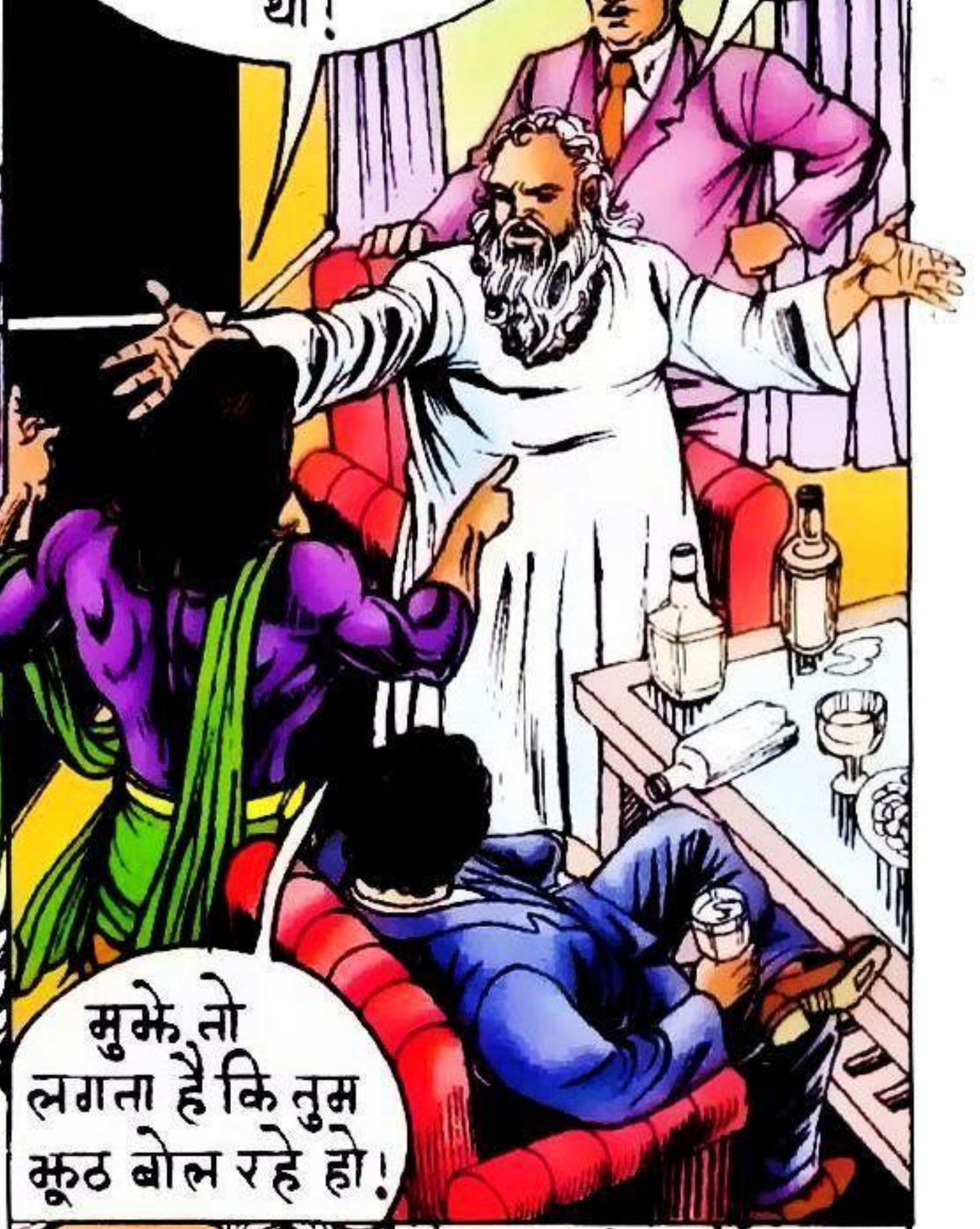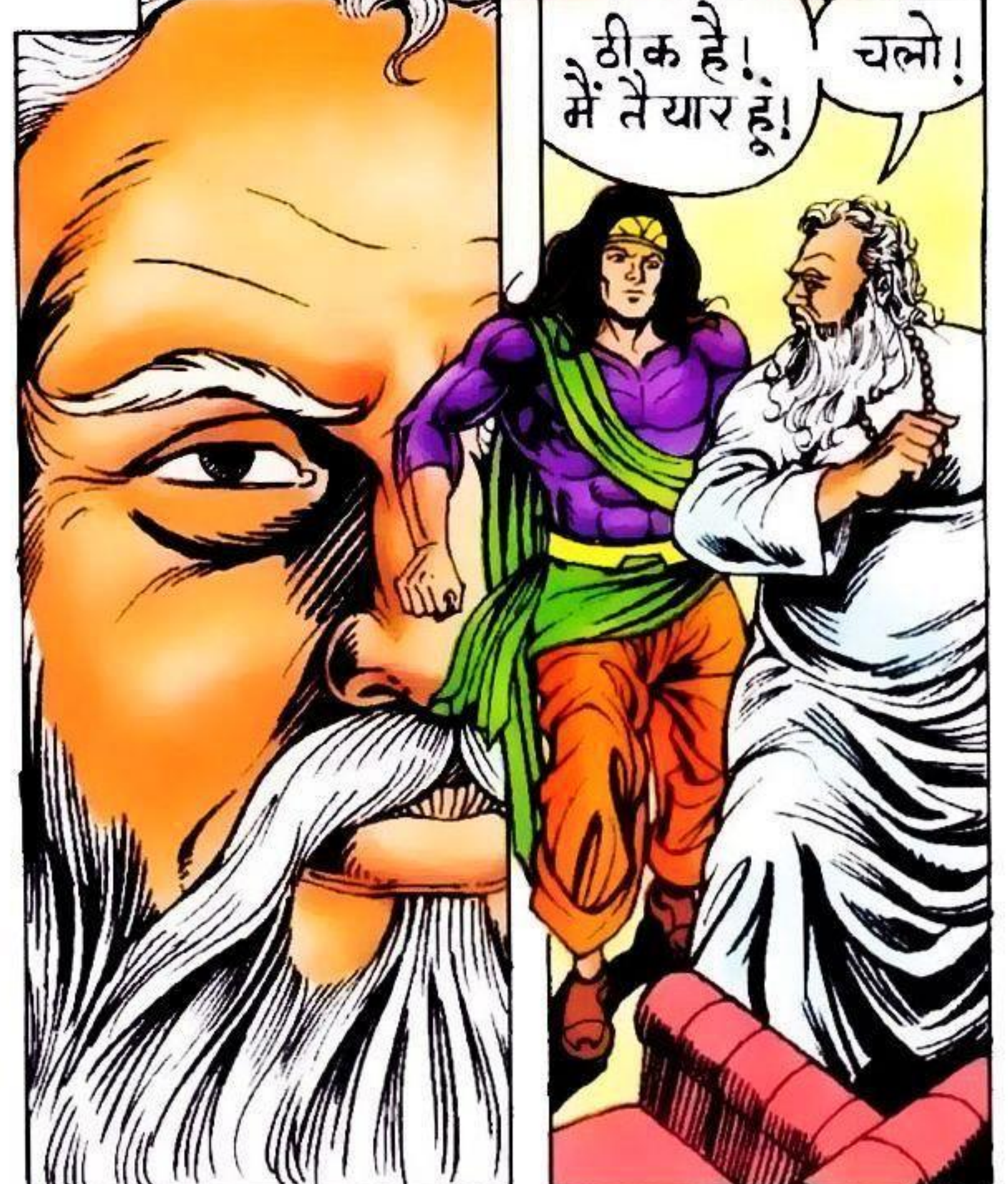
तुम लोग अपना झगड़ा आपस में ही सुलझा लो भई! अपना काम तो हो गया है! हमने मिलकर आधा राजनगर खरीद लिया है! जब हमारे साथ कांट्रेक्ट के पेपर साइन करने हों तब हमें बुला लेना!
गुड नाइट!
मजा आ गया! ये सोचकर ही मजा आ रहा है कि अब हम आधे राजनगर के मालिक हैं!
चारों तरफ हमारा राज है! सारी प्रॉपर्टी हमारी है! हा हा हा!
एक प्रॉपर्टी अभी बची है!
उसे भी खरीद सको तो खरीद लो...
...क्योंकि अब तुम्हें वहीं रहना है!
धाक
और वह जगह है...
ठनाक
...जेल!

सामने आ जा बहुरूपिए! वर्ना मैं तेरी लाश यहां तक खींचता हुआ लाऊंगा!

तुम लोगों के लाशों के व्यापार के दिन खत्म हुए...

... और उसकी सजा काटने के दिन शुरू हुए हैं!

ध्रुव! तू... तू बच कैसे गया? तू तो मलबे में दबकर मर गया था!

आधा सही आधा गलत!

मैं मलबे में दबा नहीं था, दबने वाला था।

लेकिन पास में बने स्विमिंग पूल ने मुझे बचा लिया था।

मैं समय रहते स्विमिंग पूल में कूद गया था। और उसके ड्रेन पाइप के रास्ते से सुरक्षित बाहर आ गया था।

और बाहर निकलते ही मैं तुम्हारा धन्यवाद अदा करने के लिए तुम्हारे पास गया था बापू स्वामी! क्योंकि तुमने शोधक के लेसर रूपों को नष्ट करके मेरी जान बचाई थी! लेकिन वहां पर जो कुछ मैंने देखा और सुना उसने तो मेरे होश ही उड़ा दिए। मैं तो सोच भी नहीं सकता था कि ये भूचाल प्राकृतिक नहीं कृत्रिम थे, और तुम्हारे द्वारा लाए गए थे! इसलिए मैंने तय किया कि तुमको मैं यहीं पर रंगे हाथों पकड़ूंगा!
हमने आखिर हमारे खिलाफ किया क्या है? कुछ भी नहीं!
तुम्हारे पास कोई सबूत नहीं है ध्रुव!
पर हां, बाहर मेरे भक्त तुम्हारे खून के प्यासे जरूर हुए जा रहे हैं!
तुम्हारी ये हरकत उनको और भड़का देगी!
तुम्हारे भक्त इस बार तुम्हारी पूजा जूतों से करेंगे! क्योंकि अब तक मेरे द्वारा जेल पहुंचाए गए तुम्हारे सहयोगी बिल्डर्स अपनी जुबान खोल चुके होंगे और पुलिस तुम्हारे भक्तों के सामने तुम्हारा काला चिट्ठा भी खोल चुकी होगी!
बस, ये रहस्य खोल दो कि तुमने मुझे शोधक के हाथों से बचाकर अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी क्यों मारी?
यह तो मैं भी सुनना चाहता हूं! पर यह मैं तुम्हारी हड्डियां टूटने की आवाज सुनने के बाद सुनूंगा!
तुम्हारी लेजर इमेजेस से मैं चक्कर जरूर खा गया था राजा उर्फ शोधक! लेकिन जब बापू ने असली शोधक को ढूंढ कर तुम्हारी तरफ मुझको भेजा था तो तुम मेरे सामने एक मिनट भी नहीं टिक पाए थे!
कड़ाक
और इस बार भी ऐसा ही होगा!

'हेड' के बारे में विस्तार से जानने के लिए पढ़ें—'क्राइम किंग'
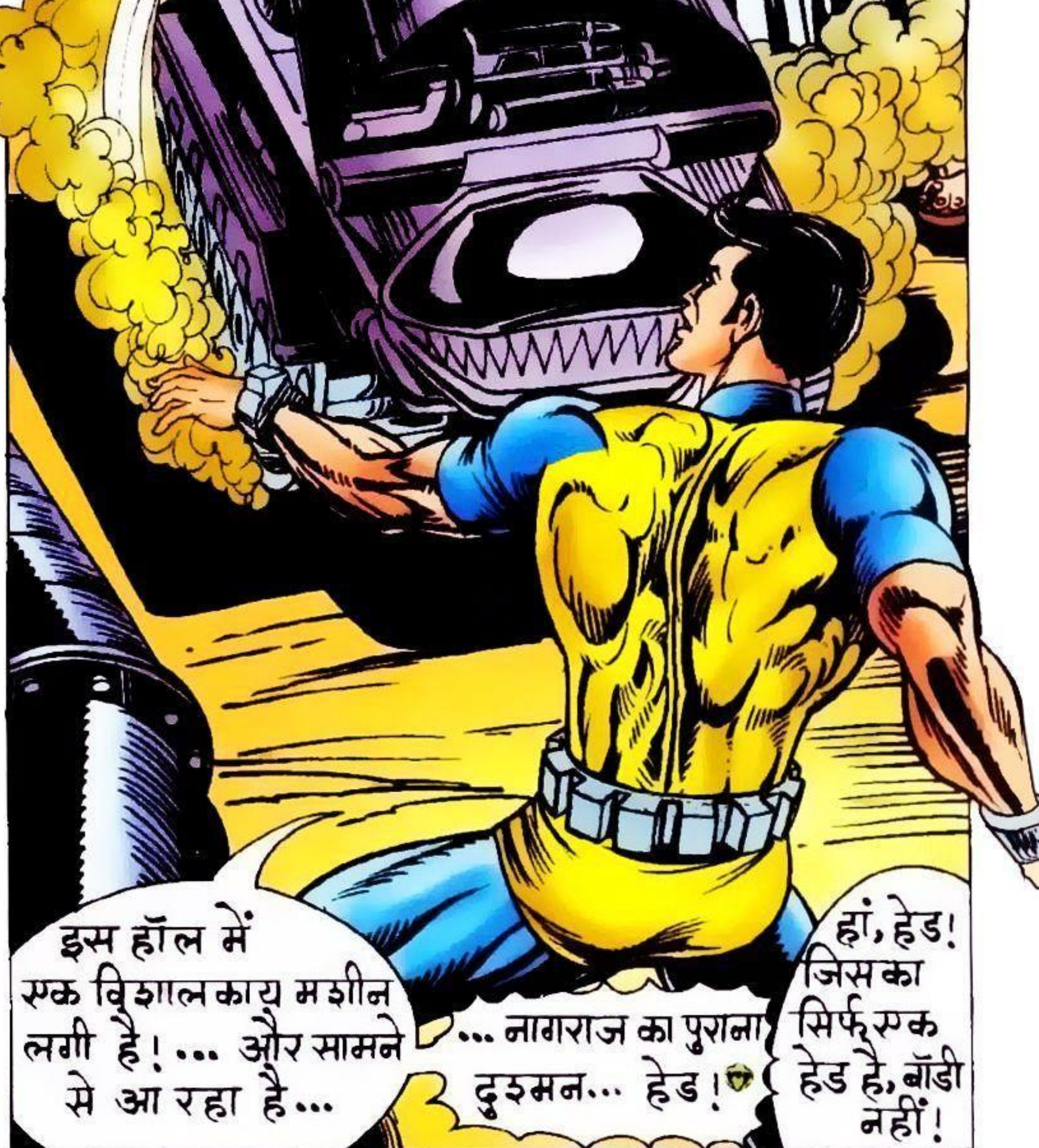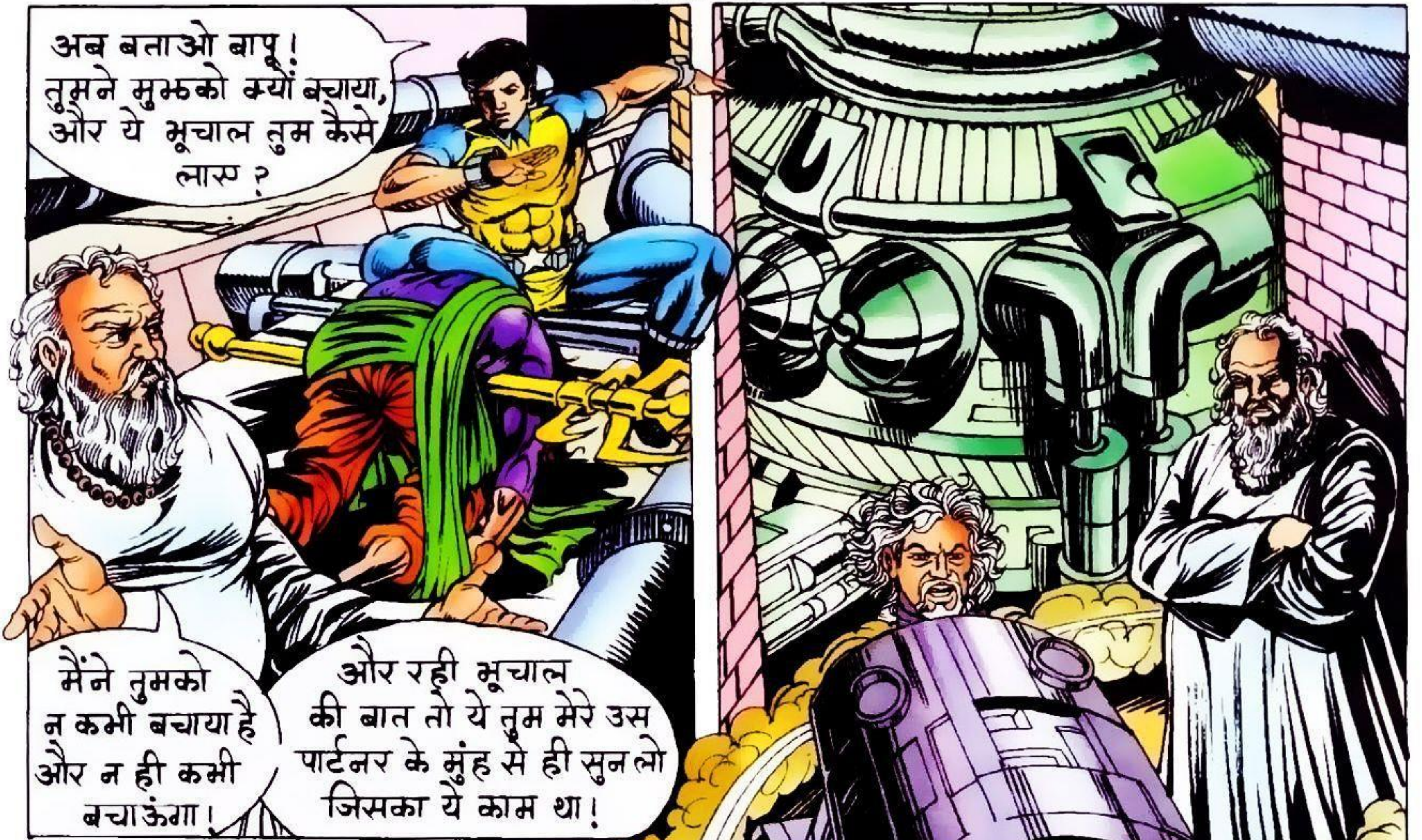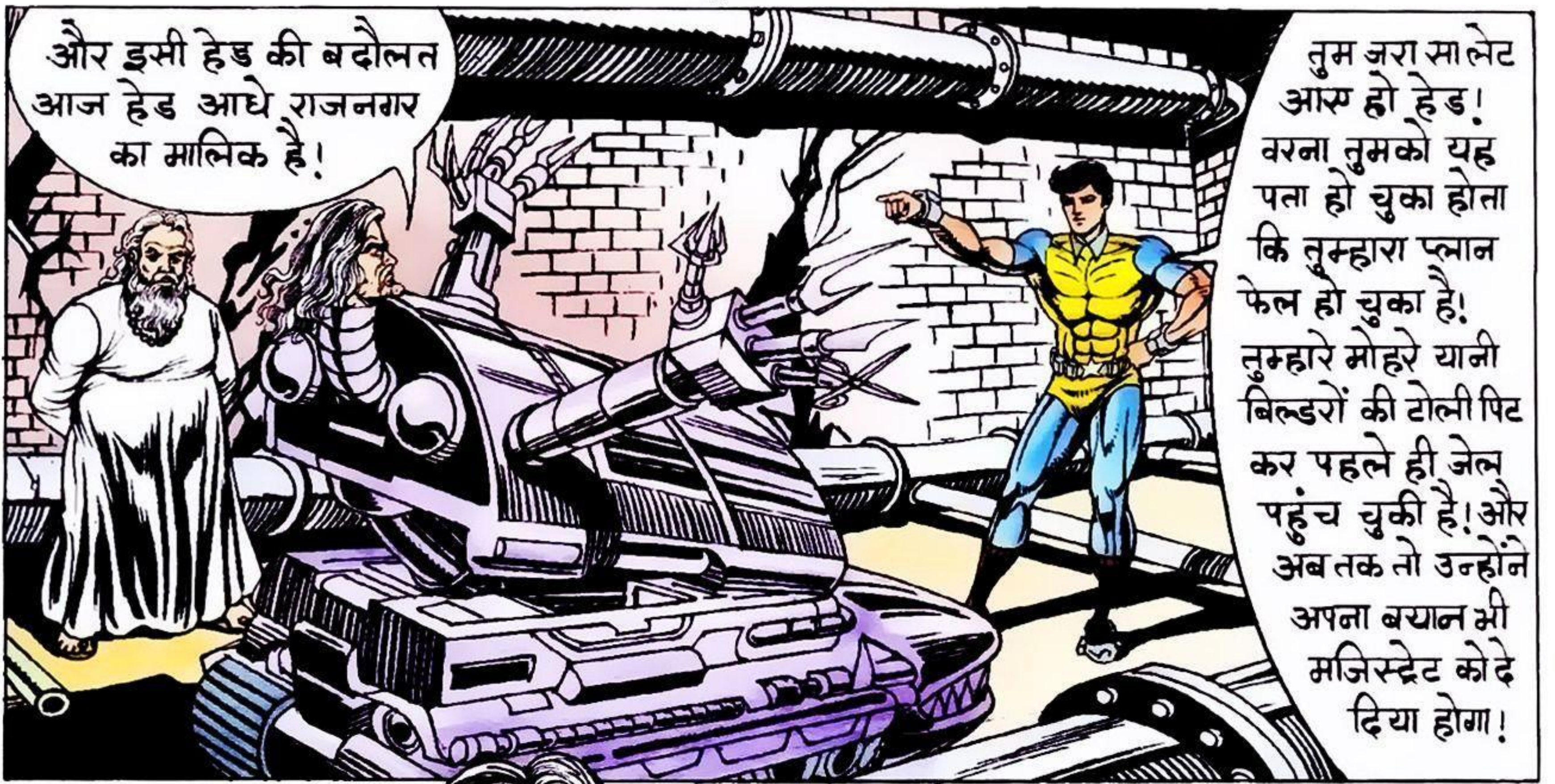
और इसी हेड की बदौलत आज हेड आधे राजनगर का मालिक है!
तुम ज़रा सा लेट आए हो हेड! वरना तुमको यह पता हो चुका होता कि तुम्हारा प्लान फेल हो चुका है! तुम्हारे मोहरे यानी बिल्डरों की टोली पिट कर पहले ही जेल पहुंच चुकी है! और अब तक तो उन्होंने अपना बयान भी मजिस्ट्रेट को दे दिया होगा!
उनको झूठा साबित करना बापू के बांए हाथ का काम है! ठीक वैसे ही जैसे राजनगर को भूचाल लाकर मिट्टी में मिलाना मेरे लिए बगैर हाथ का काम है!
और वो कैसे लाओगे?
इस जाएंट वायब्रेटर के जरिए! ये स्टार्ट होते ही पांच मिनट के अंदर स्पीड पकड़ लेता है, और फिर इससे निकलने वाले वायब्रेशन जमीन को वैसे ही हिलाने लगते हैं जैसे कि भूकंप धरती को हिलाता है!
इस जाएंट वायब्रेटर के जरिए मैं इतना तेज भूकंप ला सकता हूं कि राजनगर तो क्या, यह पूरा राज्य ही मिट्टी में मिल जाए!
लेकिन फिलहाल तो मुझे तुमको मिट्टी में मिलाना है! तुम इस सच्चाई के एकमात्र गवाह हो! तुम्हारे मरने के बाद बापू जो कहानी बताएगा, उसे पूरी दुनिया सच मान लेगी!
अच्छा प्लान है! बस एक ही प्रॉब्लम है!
तुम्हारी ये सारी शेखी 'स्टार-ट्रांसमीटर' के जरिए पुलिस स्टेशन में रिकॉर्ड हो चुकी है!
अब बताओ, पूरी दुनिया किसे सच मानेगी? मुझे या बापू को!
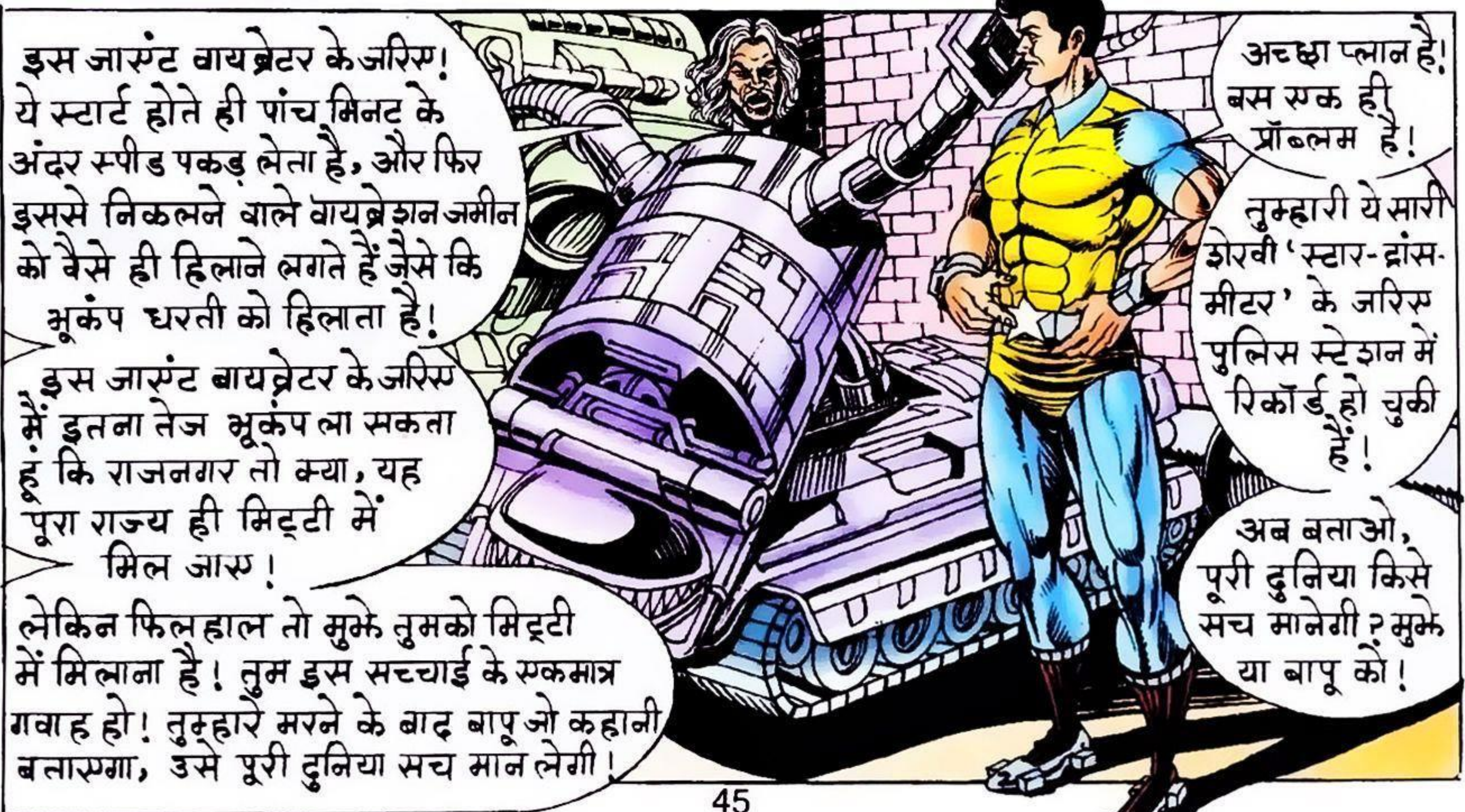
अब तो एक ही रास्ता है! अब उस पूरी दुनिया को मरना होगा जो तुमको सही मानती है! और वह दुनिया दफन होगी मलबे के ढेर में! और उस मलबे को पैदा करेगा मेरा जायंट वायब्रेटर!
मेरे जिन्दा रहते राजनगर को कुछ नहीं होगा!
तो फिर तू नहीं रहेगा!
हेड के इस 'मशीनी शरीर' में इतने हथियार भरे हुए हैं जो एक पूरी सैनिक बटालियन को खत्म कर सकें!
तुझको खत्म करने में तो मुझको एक मिनट भी नहीं लगेगा!
इतना ओवर कांफिडेंस! इतना अति आत्मविश्वास! च्च्च्च!
तुम ये कैसे भूल गए कि नागराज से भी तुमने ऐसा ही कुछ कहा था और फिर बुरी तरह पिटे थे!
उस वक्त मैंने अपने यंत्रों के रिमोट अपने दांतों में फिट किए हुए थे जो मेरी जीभ के सहारे चलते थे! लेकिन अब ये यंत्र सीधे मेरे दिमाग से जुड़े हुए हैं! अब मेरे यंत्रों से मुझको अलग करना असंभव है!

ओफ़ ! वायब्रेटर स्पीड पकड़ रहा है! कुछ ही मिनटों के अंदर राजनगर की कंक्रीट की गगनचुंबी इमारतें मिट्टी के खिलौनों की तरह टूट कर चकनाचूर हो जाएंगी!
और मैं वायब्रेटर तक पहुंच नहीं सकता! क्योंकि हेड मुझको उस तक पहुंचने ही नहीं देगा!
इनफैक्ट इस वक्त तो मैं एक ही जगह पर पहुंच सकता हूं! ऊपर वाले के पास!
अब उस फार्मूले को इस्तेमाल में लाने का वक्त आ गया है जिसको मैंने इसी वक्त के लिए तैयार किया था!
इस वक्त जाएंट वायब्रेटर को रोकना ज्यादा जरूरी है! इसीलिए फार्मूले का प्रयोग 'हेड' पर न करके जाएंट वायब्रेटर पर करना पड़ेगा!
अगले ही पल ध्रुव ने भी वार करने शुरू कर दिए-
लेकिन-
अरे! तू तो गीदड़ से भी ज्यादा डरपोक निकला!
दस फुट दूर से हवा में ही घूंसे चला-कर मुझको पीटना चाहता है!

देख! पीटा ऐसे जाता है। ऐसे नामो निशान मिटाया जाता है दुश्मन का!
अरे! तू तो फिर से हवा में ही बंदर की तरह उछलकर फ्लाइंग किक जड़ रहा है!
तू डर के मारे पागल हो गया है क्या?
धड़ाम
तुझे पागल तो होना ही था! शॉक जो लगा है तुझे! तेरी आंखों के सामने ही तेरा शहर धूल में मिलने जा रहा है! बस एक मिनट तक और इंतजार कर ले!
फिर वायब्रेटर से निकले कंपन राजनगर में वो भूचाल लाएंगे वो भूचाल लाएंगे कि... खों खों... अरे! ये धुंआ कहां से आ रहा है! कुछ जल रहा है क्या?
अरे! ये धुआं तो वायब्रेटर से आ रहा है! लगता है कि मैंने इस पर कुछ ज्यादा ही लोड डाल दिया है!
वायब्रेटर उसलोड को सह नहीं पा रहा है! इसकी स्पीड को थोड़ा सा कम करना पड़ेगा!
लेकिन धुआं थोड़ा सा छंटते ही-

अरे! ध्रुव मशीन के साथ छेड़छाड़ कर रहा है! लेकिन ये मुझे पार करके मशीन तक कैसे पहुंच गया? अभी तक तो...
... ध्रुव मेरे सामने था! अरे ये तो अभी भी मेरे सामने है! फिर वो कौन है?
अपने ही बनाए गए थ्री डी लेजर प्रोजेक्टर को भूल गए हेड! सिर्फ तुम ही नहीं, मैं भी इसका इस्तेमाल कर सकता हूं! अभी मैं इसका प्रयोग अपनी लेजर इमेज को तुम्हारी मशीन में भेजकर उसको जलाने के लिए कर रहा हूं! मैं तुमको मारने के लिए नहीं उछल रहा था बल्कि अपनी लेजर इमेज को चला रहा था!
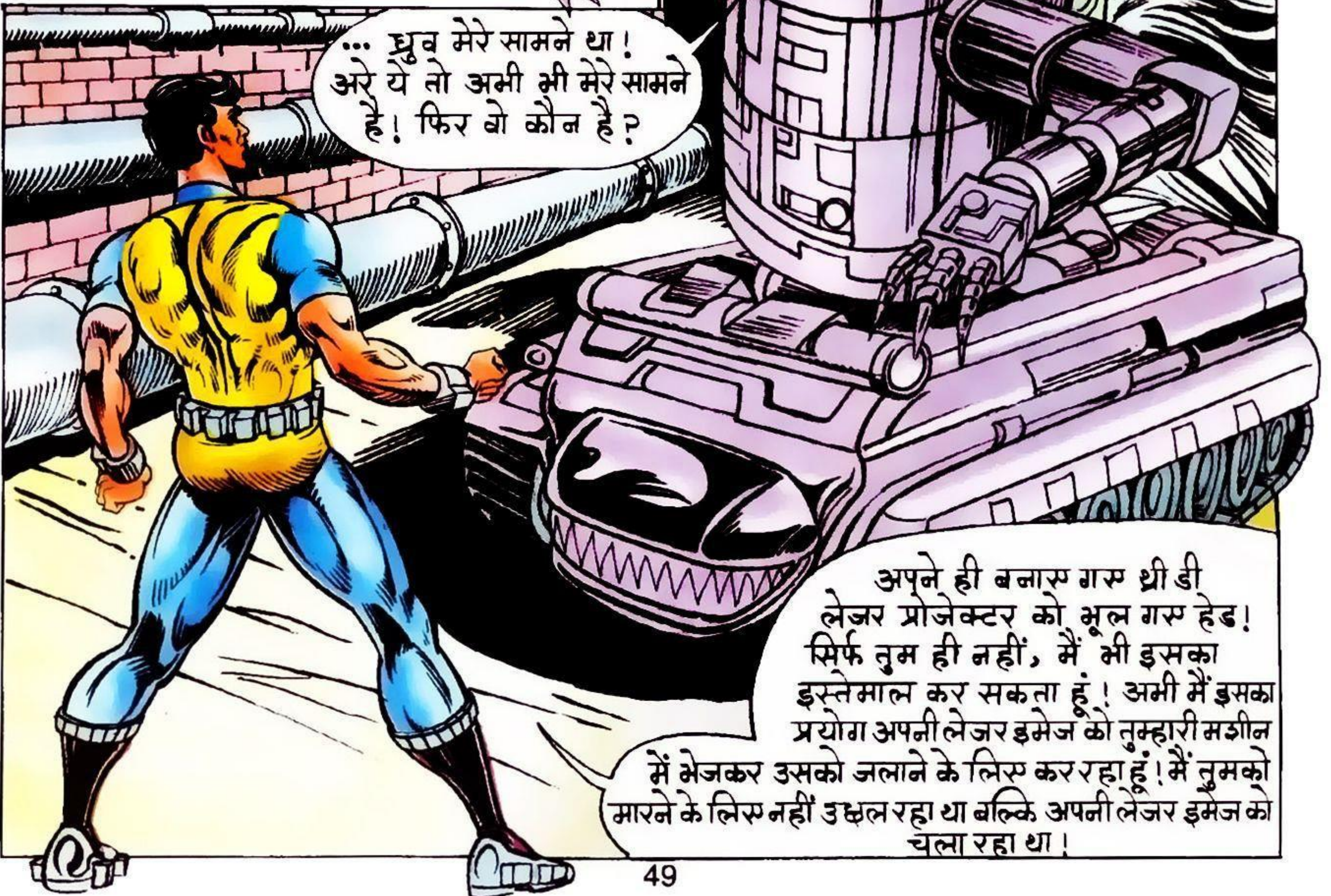
मेरा वायब्रेटर स्लो हो रहा है! यह रुक रहा है! राजनगर के बजाय मेरी सारी योजना धूल में मिल रही है!
अब तो तुझको मारना ही मेरी जिन्दगी का एकमात्र मकसद रह गया है!
एकमात्र मकसद!
आऽऽऽह! इसने फिर से थ्री डी लेजर प्रोजेक्टर का कंट्रोल अपने हाथ में ले लिया है! और अब ये भयावह लेजर आकृतियों से मुझ पर हमला कर रहा है!
और इसबार बापू मुझको कभी नहीं बचाएगा!
लेकिन ध्रुव के लिए अभी एक आखिरी आश्चर्य बाकी था-
अरे! बापू एक बार फिर मेरी मदद कर रहे हैं! ये क्या रहस्य है?
रहस्य खुलने ही वाला था-
ये... ये क्या, यानी राजा भाई ने तुमको देखा था! पर तुम यहां पर कैसे आ गए?
अब दो दो बापू आ गए? ये क्या चक्कर है? कौन है ये दूसरा बापू?
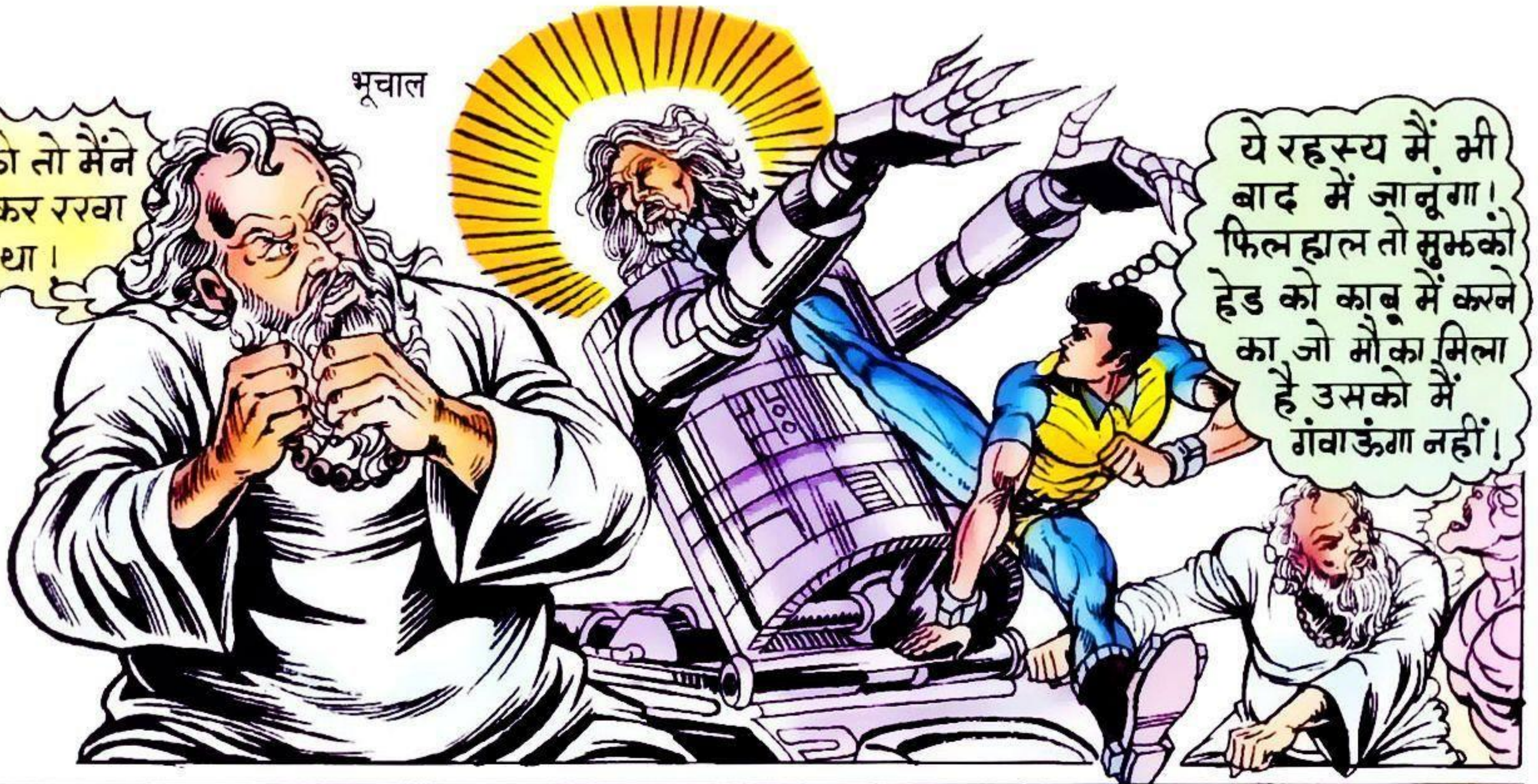
इसको तो मैंने बांधकर रखा था।
ये रहस्य मैं भी बाद में जानूंगा। फिलहाल तो मुझको हेड को काबू में करने का जो मौका मिला है उसको मैं गंवाऊंगा नहीं!
तूने मुझको धोखा दिया है बापू! तूने मुझसे ये बात छुपाकर रखी कि तेरे अलावा तेरे जैसा कोई और भी है!
अब तेरे साथ रहकर जेल जाने से कोई फायदा नहीं है! तू ही ध्रुव से निपट!
हेड तो चला!
हेड भाग रहा है और साथ ही साथ ये सारी टनेल भी गिर रही है! अब मैं हेड के पीछे नहीं जा सकता!
बापू स्वामी का दूसरा रूप उधर की तरफ इशारा कर रहा है! शायद मुझको बाहर जाने का रास्ता दिखा रहा है!
बापू स्वामी के पीछे चलते हुए ध्रुव-
सुरक्षित बाहर तक आ गया था-
बापू स्वामी मुझको यहां पर क्यों लाए हैं?
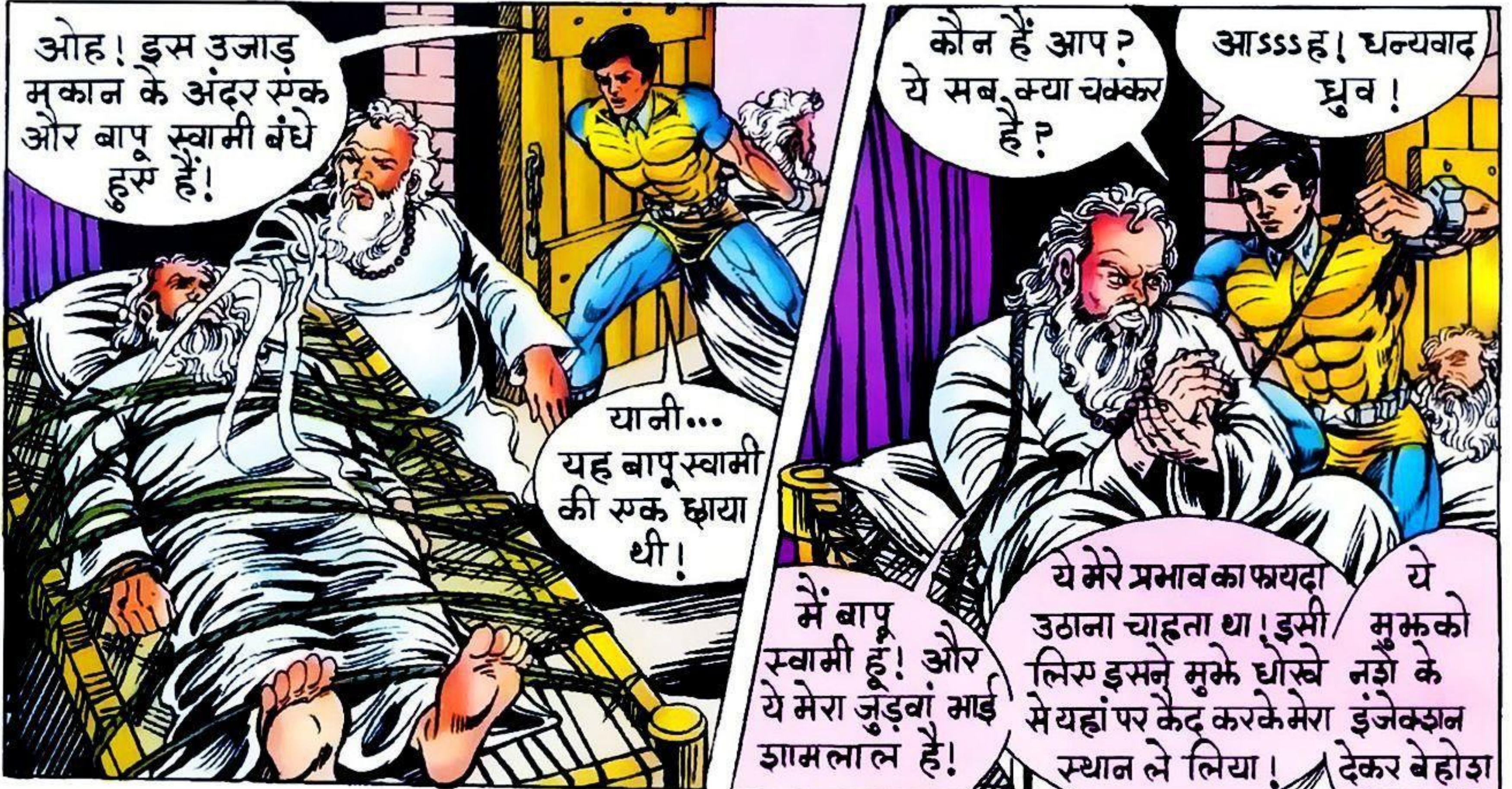
ओह! इस उजाड़ मकान के अंदर एक और बापू स्वामी बंधे हुए हैं!

यानी... यह बापू स्वामी की एक छाया थी!

कौन हैं आप? ये सब क्या चक्कर है?

आऽऽऽह! धन्यवाद ध्रुव!

मैं बापू स्वामी हूं! और ये मेरा जुड़वां भाई शामलाल है!

ये मेरे प्रभाव का फायदा उठाना चाहता था! इसी लिए इसने मुझे धोखे से यहां पर कैद करके मेरा स्थान ले लिया!

ये मुझको नशे के इंजेक्शन देकर बेहोश रखता था!

शायद इसका सोचना ये था कि अगर इसकी योजना कहीं विफल हो जाए तो ये मुझको पुलिस के हवाले करके खुद लापता हो जाए!

लेकिन मैं इसकी उम्मीद से पहले ही होश में आ गया और योग साधना में जाकर अपने मानसिक रूप की मदद से इसे ढूंढ़ने लगा! मैंने इसको ढूंढ़ निकाला!

तभी मुझको इस सारे षड्यंत्र का पता चला और मेरा मानसिक रूप शैतानी आकृतियों से मिलने के लिए उस सुरंग में जा पहुंचा! जहां पर मैंने तुमको देखा, और तुम्हारी मदद की! मुझको भी तुम्हारी मदद की जरूरत थी क्योंकि मेरा मानसिक रूप लेजर आकृतियों को तो नष्ट कर सकता था पर असली वस्तुओं को नहीं! और आखिरकार तुम सफल हुए! बगैर तुम्हारी मदद के मैं आजाद नहीं हो सकता था!

अब जल्दी चलो! मुझे अपने भक्तों की आंखें खोलनी हैं!

उनका भय दूर करना है और उनको उनके निवास स्थान वापस दिलाने हैं!

और फिर-

प्राकृतिक आपदाएं ईश्वर की इच्छा से आती हैं!

इनको अपने जीवन का ही एक अंग मानें! इनसे घबराकर भागने की चेष्टा करना व्यर्थ है! क्योंकि पृथ्वी पर ऐसा कोई स्थान नहीं है जहां पर ये आपदाएं न पहुंच सकती हों!

बापू स्वामी की जय हो!

ऐ ध्रुव!

तू कब से बापू का भक्त हो गया?

समाप्त.